



न्यूज़ ब्रीफ

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण : एसआईटी ने गृह विभाग को सौंपी प्रारंभिक रिपोर्ट



लखनऊ, 23 जून। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे में कथित हरेफेरी और चोरी के मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट उत्तर प्रदेश सरकार को सौंप दी है। यह रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव (गृह) एवं मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सजय प्रसाद को सौंपी गई है। हालांकि, जांच प्रक्रिया अभी जारी है और अंतिम रिपोर्ट बाद में प्रस्तुत की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मांग के बाद इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया था। लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में गठित एसआईटी ने अयोध्या में छह दिनों तक रहकर मामले की गहन जांच की। जांच के दौरान एसआईटी ने मंदिर प्रशासन, सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कर्मियों, ट्रस्ट से संबंधित लोगों तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों सहित पांच दर्जन से अधिक लोगों से पूछताछ की। टीम ने चढ़ावे की गणना, उसके रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था और कथित अनियमितताओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच की।

एक दिन में 10,566 रुपए गिरा चांदी का भाव

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में 23 जून को गिरावट आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 10,566 रुपए घटकर 2.27 लाख रुपए पर आ गई है, जो सोमवार को 2.37 लाख रुपए पर थी। वहीं, 10 ग्राम 24 फेरेट सोना 2,522 रुपए गिरकर 1.45 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले 22 जून को यह 1.47 लाख पर था। सोने के दाम इस महीने 10,748 रुपए और चांदी के 36,015 रुपए गिरे हैं। 1 जून को सोना 1.56 लाख/10 ग्राम और चांदी 2.63 लाख रुपए किलो थी। बता दें कि इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 31,333 रुपए सरता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए तक पहुंच गई थी।



प्रतिबद्धता

सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रही दुनिया में ब्रिक्स की है खास भूमिका : डोमाल

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली, 23 जून। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोमाल ने मंगलवार को कहा कि ब्रिक्स केवल देशों के समूह से कहीं ज्यादा है। उन्होंने इसे दुनिया की लगभग आधी आबादी का एक सामूहिक घर बताया, जिसकी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में खास भूमिका है। खासतौर से ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बढ़ती अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और बदलते सुरक्षा खतरों का सामना कर रहा है। 16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की मीटिंग में एनएसए अजित डोमाल ने अपने समकक्षों का स्वागत किया और सदस्य देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने समूह के अंदर सहयोग को आगे बढ़ाने में लगातार

दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने ली करवट धूल भरी आंधी और बारिश का कहर



अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली, 23 जून। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार दोपहर अचानक मौसम ने करवट ली। तेज धूल भरी आंधी और तेज हवाओं ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया, जिसके बाद भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले तीन घंटे के लिए रेड अलर्ट जारी किया। आईएमडी के अनुसार, खराब मौसम की स्थिति कम से कम तीन घंटे तक बनी रह सकती है। कुछ इलाकों में हवाओं की गति 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका जताई गई है। विभाग ने गरज-चमक, बिजली गिरने और हल्की बारिश की भी संभावना व्यक्त की है। दोपहर करीब 2.30 बजे मौसम विभाग ने दिल्ली समेत हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई इलाकों के लिए तत्काल चेतावनी जारी की। इसके तुरंत

बाद राजधानी में तेज हवाएं चलनी शुरू हो गईं। धूल के घने गुबार ने सड़कों, खुले स्थानों और रिहायशी इलाकों को अपनी चोंट में ले लिया, जिससे दृश्यता काफी कम हो गई। पिछले कुछ दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बीच इस मौसम परिवर्तन ने लोगों को अस्थायी राहत पहुंचाई। मौसम विभाग ने बताया कि धूल भरी आंधी के बाद गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। नमी से भरी हवाओं और अस्थिर वातावरण के मेल से यह स्थिति बनी है। बारिश से वातावरण में फैली धूल बैठने और तापमान में और गिरावट आने की उम्मीद है। रेड अलर्ट केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। हरियाणा के सोनीपत, रोहतक, खरखौदा, भिवानी और चरखी दादरी जिलों में भी खराब मौसम की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश के बागपत, खेकड़ा, पिलखुआ और सिकंदराबाद क्षेत्रों को भी अलर्ट पर रखा गया है।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में युवा सिविल सेवक निभाएं अग्रणी भूमिका : पीएम

आईएस 2024 बैच के प्रशिक्षुओं के साथ संवाद, समर्पण के साथ योगदान देने का आह्वान

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली, 23 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएस) 2024 बैच के 183 अधिकारी प्रशिक्षुओं से संवाद करते हुए उन्हें विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए राष्ट्र निर्माण में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ योगदान देने का आह्वान किया। सेवा तीर्थ में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि दो वर्षों के फोल्ड अनुभव और प्रशासनिक प्रशिक्षण के बाद युवा अधिकारी ऐसे महत्वपूर्ण चरण में पहुंचे हैं, जहां उनके फैसले न केवल उनके करियर बल्कि करोड़ों नागरिकों के भविष्य को भी प्रभावित करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसेवा की वास्तविक परीक्षा ईमानदारी, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ वास्तविक परिस्थितियों का सामना करने में है। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से नवाचार, उद्देश्यपूर्ण कार्यशैली और नागरिक-केन्द्रित शासन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि



प्रशासनिक फाइलों को केवल कागजी प्रक्रिया न समझें, बल्कि यह याद रखें कि हर फाइल के पीछे लाखों लोगों की आकांक्षाएं, समस्याएं और जीवन जुड़े होते हैं। उन्होंने नागरिक देवो भव- का मंत्र देते हुए अधिकारियों से हर निर्णय के केंद्र में नागरिकों को रखने और शासन को संवेदनशील, जवाबदेह तथा समावेशी बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बड़े विकासवात्मक लक्ष्यों को विभागीय सीमाओं में रहकर हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए

आंकड़ों को आकांक्षाओं का प्रतिबिंब मानना चाहिए

डेटा आधारित प्रशासन पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आंकड़ों को केवल संख्या के रूप में नहीं देखा जाए, बल्कि उन्हें करोड़ों लोगों के जीवन, चुनौतियों और आकांक्षाओं का प्रतिबिंब मानना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से निर्यात रूप से यह मूल्यांकन करने को कहा कि सरकारी नीतियां वास्तविकी स्तर पर अंशित परिणाम दे रही हैं या नहीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को अपने कार्य के तैयारी से नहीं, बल्कि अपने कार्यों के तैयारी से नहीं, बल्कि परिणामों से संतुष्टि प्राप्त करनी चाहिए।

एवं अवसर सृजन को वर्तमान समय की प्रमुख प्राथमिकताएं बताया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में शासन व्यवस्था प्रक्रिया-आधारित मॉडल से परिणाम-आधारित मॉडल की ओर बढ़ी है। डिजिटल गवर्नेंस, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और तकनीक की मदद से सेवा वितरण अधिक पारदर्शी और सुगम हुआ है।

श्रीमद्भगवद्गीता मानव जीवन को सही दिशा देने वाली एक अमूल्य धरोहर है : मुख्यमंत्री नायब सैनी

जापान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में वीडियो के माध्यम से दिया संदेश

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

चंडीगढ़, 23 जून। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाली एक अमूल्य धरोहर है। कुरुक्षेत्र की पावन भूमि पर भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिया गया कर्मयोग का संदेश आज भी पूरी मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। गीता



हमें कर्तव्य, आत्मविश्वास, संयम और मानव कल्याण का मार्ग दिखाती है। मुख्यमंत्री जापान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के समापन अवसर पर उपस्थित लोगों को

तब गीता का संदेश शांति, सद्भाव और सकारात्मक सोच की प्रेरणा देता है। यही कारण है कि गीता का संदेश विश्वभर में लोगों को जोड़ने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र से प्रारंभ हुआ अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव आज विश्व के अनेक देशों तक पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि भारत और जापान के संबंध सदैव मजबूत रहे हैं। विशेष रूप से हरियाणा और जापान के बीच आर्थिक एवं सांस्कृतिक सहयोग निरंतर बढ़ रहा है, जो हमारी गहरी मित्रता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने इस आयोजन की

सफलता के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि गीता का यह दिव्य संदेश पूरे विश्व में शांति, सद्भाव और मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। इस अवसर पर जापान में पूज्य स्वामी ज्ञानानंद महाराज, ओसाका में भारत के कॉन्सुल जनरल श्री चंद्र अम्पार, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सदस्य सचिव डॉ. अमित अग्रवाल, मानद सचिव जयेंद्र सिंघल, प्राधिकरण सदस्य श्री विजय नरुला, हिंदू स्वयंसेवक संघ के सदस्य, इस्कॉन, गीता परिवार के कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

वयोदे में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का मध्य समापन

जापान के ऐतिहासिक शहर वयोदे में अत्यधिक आध्यात्मिक उत्साह और सांस्कृतिक सद्भाव के साथ अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के जापान संस्करण का मध्य समापन समारोह आयोजित किया गया। इस गौरवशाली आयोजन में मंगलवार गीता के शाश्वत उपदेशों को दोहराते हुए वैश्विक शांति, आरंभिक भाईदारे और निष्कलन कर्म के सार्वभौमिक संदेश पर विशेष बल दिया गया। इसके तहत टोयो विश्वविद्यालय में एक अत्यंत प्रतिष्ठित वैश्विक सेमिनार का शानदार आयोजन हुआ और एटोगावा की सड़कों पर मध्य गीता सद्भावना यात्रा निकाली गई, जिसने भारतीय प्रवासियों और जापानी समुदाय के हजारों लोगों को एकजुट में पिरो दिया। ओसाका प्रांत विधानसभा में प्रति गीता गेट की गई। ओसाका असेंबली में कुल 50 विधायक हैं, आध्याय की बात है जिसमें 49 विधायकों का विशिष्ट संगठन इसे जापान फेडरेशन पोल्स के नाम से बनाई है। असेंबली में इनमें से 9 प्रतिनिधि विधायकों को स्वामी ज्ञानंद महाराज और आयुक्त एवं सचिव सूर्यना, जनसमर्पण एवं भाषा विभाग एवं सदस्य सचिव कुच्छेत्र विकास बोर्ड डॉक्टर अमित अग्रवाल के साथ कुच्छेत्र विकास बोर्ड के प्रतिनिधिडमल ने श्रीमद्भगवद् गीता गेट की।

सीयूईटी यूजी 2026 का परिणाम घोषित

अर्थ प्रकाश नेटवर्क



नई दिल्ली, 23 जून। कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) अंडरग्रेजुएट (यूजी) 2026 में शामिल हुए जो अर्धवर्षीय परिणाम जारी होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, उनके लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। दरअसल, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को सीयूईटी यूजी 2026 का रिजल्ट घोषित कर दिया है। उम्मीदवार अब सीयूईटी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने नतीजे चेक करने के साथ ही स्कोरकार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने इस वर्ष सीयूईटी यूजी का परिणाम

परीक्षा समाप्त होने के मात्र 16 दिनों के भीतर जारी कर दिया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 14 दिन पहले है। एनटीए ने सीयूईटी यूजी 2026 के परिणाम जारी करने के बाद अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा, इंतजार खत्म हुआ। सीयूईटी 2026 के नतीजे अब उपलब्ध हैं। उन्होंने लिखा, स्टूडेंट्स अपनी लॉग-इन जानकारी का इस्तेमाल करके सीयूईटी की आधिकारिक वेबसाइट पर लॉग इन करके अपना स्कोर कार्ड देख सकते हैं।

बिजनेसमैन की बेटी ने प्रेमी के साथ मिलकर मंगेतर को 400 फीट गहरी खाई में फेंका

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

पुणे। 26 साल के केतन विशाल अग्रवाल की उनकी मंगेतर सिया गोयल (20) और उसके बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी (22) ने मिलकर हत्या कर दी। पुलिस का आरोप है कि दोनों ने केतन को लोहागढ़ किले से करीब 400 फीट गहरी खाई में धका दिया और इसे हदसा बताने की कोशिश की। केतन 18 जून को अपने मंगेतर सिया के साथ पुणे के लोहागढ़ किले पर ट्रेकिंग के लिए गए थे। बाद में उनका शव खाई से मिला। केतन पुणे जिले के गहूजे के रहने वाले थे और परिवार के रियल एस्टेट कंपनी में डायरेक्टर थे। वहीं

सिया पुणे के एक बड़े मसाला व्यापारी की बेटी है। इस साल नवंबर में राजस्थान के उदयपुर स्थित एक शाही पैलेस में दोनों की शादी होने वाली थी। यह शादी दोनों के परिवारों ने तय की थी। घर में तैयारियां भी शुरू थीं। मेहमानों के लिए दो चार्टर्ड प्लेन की व्यवस्था भी की गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी पर परिवार करीब 217 करोड़ खर्च करने वाला था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केतन और सिया शादी से पहले बाली घूमने जाने वाले थे। सारी बुकिंग भी हो गई थी लेकिन सिया ने पासपोर्ट खोने की बात कहकर ट्रिप कैन्सिल करा दी।

WALL, FLOOR & VITRIFIED TILES TILING SOLUTION (ADHESIVE, EPOXY) EXPLORE YOUR RANGE

- Bathroom
- Kitchen
- Parking
- Elevation
- Bedroom/Living
- Wall Tiles
- Epoxy
- Tiles Adhesive
- Grout
- Grout Admix
- Tiles Clear

SCO 445-46, 2nd Floor Cabin No.206, Sector 35 C Chandigarh - 160035

Tel:0172 3500930 Mob:9316507105, 9316907105

www.spenzaceramics.com

चुनौतियों को मैनेज करना कठिन हो रहा...



एनएसए अजित डोमाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने जो चुनौतियां हैं, वे तेजी से मुश्किल होती जा रही हैं और उन्हें मैनेज करना कठिन हो रहा है, जबकि मौजूदा संस्थागत फ्रेमवर्क और इनोवेटिव सुलझाने के तरीके असरदार तरीके से जवाब देने में मुश्किल हो रहे हैं। उन्होंने कहा, न केवल खतरों और अधिक जटिल तथा आपस में जुड़े हुए होते जा रहे हैं, बल्कि उनसे निपटने या उनके प्रभाव को कम करने के लिए मौजूद साधन और संस्थागत तंत्र भी लगातार अपर्याप्त साबित हो रहे हैं। बहुपक्षीय सहयोग के कमजोर होने पर चिंता जताते हुए, एनएसए डोमाल ने कहा कि ग्लोबल सिस्टम में बहुपक्षीयता में गिरावट देखी जा रही है, ऐसे समय में जब ग्लोबल काम करने की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा है। उन्होंने ब्रिक्स बनाने के पीछे के असली निजान को याद करते हुए कहा, बहुपक्षीयता कम हो रही है। एनएसए अजित डोमाल के मुताबिक, ब्रिक्स को उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के एक अनौपचारिक समूह के तौर पर सोचा गया था, जिसका मकसद ज्यादा ग्लोबल लवर्ह ऑर्डर को बढ़ावा देना, आर्थिक सहयोग बढ़ाना और अंतरराष्ट्रीय मामलों में ग्लोबल साउथ की आवाज को बुलंद करना था। उन्होंने कहा कि यह समूह ग्लोबल गवर्नेंस स्ट्रक्चर में सुधार और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को बेहतर बनाने की उम्मीद पर भी बना है, ताकि वे आज की सच्चाई और विकासशील देशों के हितों को बेहतर ढंग से दिखा सकें।

चुनौतियों को मैनेज करना कठिन हो रहा...

हैं, जिसमें हथियारों से जुड़ी लड़ाइयां, भू-राजनीतिक अनिश्चितता, आर्थिक दबाव और ऐसी विघटनकारी प्रौद्योगिकी का आना शामिल है जो अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के माहौल को बदल रही है। उन्होंने कहा, हम बहुत मुश्किल समय में मिल रहे हैं। दुनिया सैन्य झगड़ों और मुश्किल सुरक्षा समस्याओं से जूझ रही है। यह भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक दबाव और विघटनकारी प्रौद्योगिकी का सामना कर रही है।

ढोल-नगाड़ों के साथ खुले बाबा महाकाल के कपाट, त्रिशूल, त्रिपुण्ड से हुआ श्रृंगार



उज्जैन (एजेंसी)। श्री महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार को बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। इस दौरान बाबा महाकाल के दरबार में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। भक्तों ने देर रात से ही लाइन में लगकर बाबा महाकाल के दर्शन किए। मंगलवार तड़के भगवान वीरभद्र की आज्ञा लेने के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ बाबा महाकाल के कपाट खोले गए। महाकाल मंदिर के षट् खुलने के साथ ही मंत्रोच्चार के बीच भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। भगवान महाकाल का रजत चंद्र, त्रिशूल, त्रिपुण्ड और झुयफूट से राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल की भस्म आरती के दर्शन किए। पहले महाकाल को शमशान की राख अर्पित की जाती थी लेकिन अब विशेष रूप से कपिला गाय के गोबर और ओषधीय जड़ी-बूटियों से तैयार भस्म का इस्तेमाल होता है। भस्म आरती के दौरान पुरुषों के लिए पारंपरिक धोती-सोला और महिलाओं के लिए साड़ी पहनना जरूरी है। बाबा महाकाल की आरती देखने बड़ी हस्तियां भी आती हैं। इस दौरान मंदिर के आसपास व्यवस्था बनाए रखने के लिए षड् पीामने पर पुलिसकर्मियों की तैनाती रहती है।

10 साल की मासूम से रेप, हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में गुब्बारे बेचने वाली 10 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी गई। सोमवार की सुबह फुटपाथ पर सो रही बच्ची का टैक्सी ड्राइवर ने किडनेप किया था। इसके बाद उसने उसका रेप किया और हत्या कर लाश महरोली के जंगलों में फेंक दी थी। सोमवार की सुबह करीब 6 बजे परिवार ने पीसीआर कॉल के जरिए महरोली थाने में बच्ची की शमशुद्रगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से वार घंटे में ही बबलू नाम के टैक्सी ड्राइवर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बच्ची का शव बरामद कर लिया है। शव पोस्टमॉर्टम के लिए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

ममता बनर्जी की शिकायत पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने दिया आदेश

-भगवानीपुर के ईवीएम-वीवीपैट सुरक्षित रखे जाएं, जल्दतर पडने पर जांच होगी

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की भगवानीपुर विधानसभा सीट के रिजल्ट में गड़बड़ी के आरोपों पर सुनवाई की। कोर्ट ने मतगणना से जुड़े सभी अंशम साक्ष्य सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि ईवीएम-वीवीपैट, सीसीटीवी फुटेज और अन्य संबंधित रिकॉर्ड सुरक्षित रखे जाएं। जल्दतर पडने पर उनकी जांच होगी। जस्टिस गौरांग कांत ने मतगणना केंद्र रहे शेखावाटी मेमोरियल स्कूल के अंदर और बाहर लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित रखने का भी आदेश दिया। अदालत ने मामले में सभी संबंधित पक्षों को शामिल करने के निर्देश भी दिए हैं। इसके तहत मुख्यमंत्री शुभेंद्र उनके सलाहकार सुब्रत गुप्ता और सुनील अग्रवाल को पक्षकार बनाने का आदेश दिया गया है। भगवानीपुर सीट पर शुभेंद्र अधिकारी ने पूर्व सीएम ममता बनर्जी को 15,105 वोटों से हराया था।

एक मोबाइल नंबर से खुला

3000 करोड़ का फर्जीवाड़ा

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ में सगे भाइयों द्वारा 3000 करोड़ से अधिक के विशाल फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। संगठित गिरोह ने बिना किसी वास्तविक खरीद-बिक्री के, केवल कामगजों पर हजारों करोड़ का टर्नओवर दिखाया। आरोप है कि उन्होंने गरीब और जरूरतमंद लोगों के आधार, पैन और वोटर आईडी का दुरुपयोग कर 27 फर्जी कंपनियां बनाईं। इन कामगजी कंपनियों के जरिए 720 करोड़ के फर्जी बिल काटे गए, जिससे सरकार से 108 करोड़ का अनुचित टैक्स लाभ लिया। हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे खेल का भंडाफोंड किसी मुखबिर ने नहीं, बल्कि अलग-अलग कंपनियों में इस्तेमाल हो रहे एक ही मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी ने किया। कुल 25 बैंक खातों से 3089 करोड़ नकद निकाले गए। यह घोटाला 2018 से 2024 तक चलता रहा। बैंक अधिकारियों की सूचना पर 2024 में डीजीजीआई ने जांच शुरू की और 9 अक्टूबर 2024 को रेड कर मास्टरमाइंड भाइयों को गिरफ्तार किया। 19 महीने जेल में रहने के बाद उनकी जमानत हो गई। इसके उपरांत डीडी ने मामले की गहनता से जांच की और 19 जून 2026 को लुधियाना पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी। कमिश्नर के आदेश पर अभिन गोपाल सहित पांच नामजद आरोपियों और कुछ अज्ञात के खिलाफ थाना जमालपुर में एफआईआर दर्ज की गई है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को

राष्ट्रव्यापी श्रद्धांजलि, पीएम

मोदी, सीएम सुवंदु ने किया याद

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंद्र अधिकारी ने मंगलवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम अधिकारी ने दक्षिण कोलकाता स्थित केओरतला शमशान घाट में डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि देकर उन्हें एक विशिष्ट राष्ट्रभक्त, विद्वान और राजनेता बताया, जिन्होंने अपना जीवन भारत के विकास के लिए समर्पित किया। उन्होंने पोस्ट में कहा कि सार्वजनिक जीवन में उनकी अटूट निष्ठा, साहस और राष्ट्रीय हित के प्रति प्रतिबद्धता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने भी कोलकाता में डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का निधन 23 जून, 1953 को रहस्यमय परिस्थितियों में श्रीनगर की एक जेल में हुआ था। उन्हें बिना परमिट जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने के आदेश में गिरफ्तार किया गया था।

हमने तमिल लोगों के दिलों में जगह बनाने कितना संघर्ष किया... अब यहां पर है

-तमिलनाडु के सीएम विजय ने विधानसभा में आलोचकों को दिया करारा जवाब

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने उन आलोचकों को करारा जवाब दिया है जिन्होंने उनकी तमिलनागा वेट्टी कडगम (टीवीके) को एक्टर की पार्टी कहा है। मंगलवार सुबह विधानसभा में दिए भाषण में उन्होंने अप्रैल-मई के चुनावों में टीवीके की सफलता की ओर इशारा करते हुए आलोचकों को याद दिलाया कि उनकी पार्टी कितनी सफल रही है। अपने दमदार भाषण में उन्होंने कई मुद्दों पर बात की। केंद्र सरकार का गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपना और नीट को खत्म करने की मांग। उन्होंने टीवीके की राजनीतिक ताकत और अपनी प्रशासनिक समझ पर शक करने वालों और आलोचना करने वालों को आड़े हाथों लिया।

विजय ने विधानसभा को याद दिलाया कि उनकी पार्टी ने साजिशों और पाबंदियों का सामना किया है और न तो पार्टी और न ही उनका खुद का इरादा कभी खत्म होने का है। उन्होंने कहा कि हमें आसानी से सत्ता नहीं मिली। सिर्फ हम ही जानते हैं



कि तमिल लोगों के दिलों में जगह बनाने के लिए हमने कितना संघर्ष किया। कुछ लोग ऐसा दिखावा करते हैं जैसे वे सम्पन्न नहीं हैं और हमारी आलोचना करते हैं, कहते हैं वह तो बस एक एक्टर की पार्टी है। सीएम विजय ने कहा कि हम एसी

आलोचनाओं को परवाह नहीं करते। हमारी राजनीति साफ-सुथरी है। हमें 35 फीसदी वोट मिले। कुछ लोग कहते हैं कि हम बहुत आसानी से सत्ता में आ गए... लेकिन हमने साजिशों और पाबंदियों का सामना किया। हमने हर चीज का सामना

किया... और आज हम यहां पर हैं। अभी लंबा सफर तय करना है। नीट जो देश में मेडिकल कोर्स में एडमिशन के लिए एक ही छात्रावास परीक्षा है इस पर चल रहे विवाद पर विजय ने कहा कि यह सिस्टम असमानता पैदा करता है और उन्होंने इसे खत्म करने की मांग की।

पिछले कुछ सालों में नीट परीक्षा विवादों का केंद्र रही है, जिसमें परीक्षा के दबाव के कारण छात्रों की आत्महत्या से लेकर प्रश्न पत्रों के लीक होने तक की घटनाएं शामिल हैं, जिन्होंने देश में चिकित्सा शिक्षा की विश्वसनीयता को भूमिल किया है। तमिलनाडु ने बार-बार परीक्षा रद्द करने और 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर सीटें आवंटित करने की मांग की है और हिंदी को थोपने के मुद्दे पर दक्षिण राज्य में एक संवेदनशील मुद्दा है और जिस पर अंततः में हिंसक दंगे भी हुए हैं। नए सीएम विजय ने जोर देकर कहा कि मौजूदा दो-भाषा नीति, यानी तमिल और अंग्रेजी पर्याप्त है।

ईरान जंग में इजराइल-अमेरिका से ज्यादा भारतीय मरे

-अमेरिका के 13, इजराइल के 24 तो भारत के 25 लोग मारे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान युद्ध में इजराइल और अमेरिका से ज्यादा भारतीय नागरिक मारे जा चुके हैं। वो भी तब, जब भारत इस जंग में किसी भी तरह से शामिल नहीं है। सोमवार (22 जून) को कतर के रास लाफान पर हमले में 12 भारतीयों की मौत हो गई, जिसके बाद युद्ध की चपेट में आने से मरने वाले भारतीयों की संख्या 25 पर पहुंच गई है। वहीं इस युद्ध में अमेरिका के 13 तो इजराइल के 24 नागरिक मारे गए हैं। एडमिशन के लिए एक ही छात्रावास परीक्षा है इससे ज्यादा लेबनान के 4 हजार और ईरान के 3600 लोग मारे गए हैं। 128 फरवरी को जंग की शुरुआत हुई थी। इस जंग में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई से लेकर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख मोहम्मद पाकूपर और ईरान सर्वोच्च सुरक्षा परिषद के सचिव अली तारिजानी तक की हत्या हो चुकी है। कतर के रास लाफान के अलावा भारत के 6 नागरिक हर्मुज में मारे गए। इनमें 3 नागरिकों की मौत अमेरिका हमले में हो गई। भारत ने इसकी लेकर अमेरिका के खिलाफ कड़ी नाराजगी जाहिर की थी। खुद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका विदेश मंत्री को फोन कर इस पर प्रतिरोध जताया था। इसके अलावा कतर में ही पिछले नौ एक हमले में एक भारतीय की मौत हो गई थी। एक भारतीय की मौत कुवैत में ईरान के हमले के दौरान हो गई थी। यूपीए में भी भारतीय मारे जा चुके हैं। यानी कुल मिलाकर ईरान जंग में अब तक 25 भारतीयों की मौत हो चुकी है।



अलका यागिनक समेत 65 हस्तियों को राष्ट्रपति मुर्मू ने किया अलंकृत

-शिवू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण, मम्टी और विजय अमृतराज भी हुए सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'सिविल इन्वेस्टिचर सेरेमनी-2' में वर्ष 2026 के लिए 65 विशिष्ट हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किए। सम्मानित होने वालों में झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवू सोरेन, प्रसिद्ध गायिका अलका यागिनक, अभिनेता मम्टी और पूर्व टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज प्रमुख रहे।

राष्ट्रपति भवन के भव्य दरबार हॉल में आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री और गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली हस्तियों को देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मानों से नवाजा गया। इस दूसरे नागरिक सम्मान समारोह में राष्ट्रपति ने कुल 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए, जिनमें दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण और 56 पद्म श्री शामिल हैं। इससे पहले मई में आयोजित पहले समारोह में भी 65 लोगों को पद्म सम्मान दिए गए थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और झारखंड के वरिष्ठ आदिवासी नेता शिवू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। उनकी पत्नी रूपी सोरेन ने राष्ट्रपति से यह सम्मान ग्रहण किया। वहीं, लोकप्रिय शांति गायिका अलका यागिनक को भी उनके संगीत क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म सम्मान प्रदान किया गया।



राष्ट्रपति मुर्मू ने पी. नारायणन और सेवानिवृत्त न्यायाधीश के. टी. थॉमस को क्रमशः साहित्य एवं शिक्षा तथा जनसेवा के क्षेत्र में पद्म विभूषण से सम्मानित किया। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के प्रोफेसर महेंद्र नाथ राय को विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में पद्मश्री प्रदान किया गया।

समारोह की एक विशेषता यह भी रही कि विदेशी नागरिकों को भी उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अमेरिका के चिकित्सक डॉ. दत्तात्रेयुड नेतो को पद्म भूषण दिया गया, जबकि रूस की ल्यूडमिला खोखलोवा को साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। जाँचिका के व्लादिमीर मेस्तविशीवली को मरणोपरांत खेल क्षेत्र में पद्मश्री प्रदान किया गया।

देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कार कला, साहित्य, विज्ञान, चिकित्सा, शिक्षा, खेल, समाज सेवा और जनसेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान के लिए दिए जाते हैं। इन पुरस्कारों की घोषणा प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है।

राम मंदिर दान विवाद: सलमान खुरशीद ने सरकार से मांगी जवाबदेही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुरशीद ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर कहा कि यह आस्था और जनता के भरोसे से जुड़ा गंभीर मामला है, जिस पर केंद्र सरकार को जवाबदेह होना चाहिए।

कांग्रेस नेता खुरशीद ने कहा कि पदाधिकारी जन्मभूमि मामले में राष्ट्रपति कोर्ट के फैसले का समर्थन किया था। उन्होंने कहा, क्या इससे बड़ी कोई जासदी हो सकती है? खुरशीद ने कहा कि यह दान भगवान राम की संपत्ति है और लाखों भक्तों के भरोसे को तोड़ने वालों को सजा देकर मंदिर की पवित्रता बनाए रखना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया कि अगर उन्हें भगवान राम में जरा भी आस्था है, तब वह सबसे पहले इस्तरह के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं करती।

इस विवाद की शुरुआत अयोध्या से पूर्व सपा विधायक पवन पांडे के आरोपों से हुई थी, जिन्होंने



दावा किया था कि राम मंदिर के दान से 7 से 7.5 करोड़ का गबन हुआ है। इन गंभीर आरोपों के बाद, श्री राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर, राज्य सरकार ने 14 जून को कथित घोटाले की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया।

इस बीच, कथित वित्तीय गड़बड़ियों की कोर्ट की निगरानी में जांच कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की गई है। इस याचिका में एक

प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के तहत एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित करने की मांग की गई है। इसका उद्देश्य ट्रस्ट के कामकाज, वित्तीय कुचक्रान्त, गायब धनराशि और अन्य अनियमितताओं की गहन जांच करना है।

सुप्रीम कोर्ट से दखल की मांग कर याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि संस्थापक ईमानदारी, कानून के शासन और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रशासन में जनता के भरोसे को बनाए रखने के लिए अदालत का हस्तक्षेप आवश्यक है। याचिका में यह भी कहा गया है कि वर्तमान एसआईटी जांच का दायरा स्पष्ट नहीं है और जांच के शुरुआती चरण सबूतों को सुरक्षित रखने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसमें चेतावनी दी गई है कि किसी भी देरी से अहम सबूतों से छेड़छाड़ हो सकती है और निष्पक्ष जांच में बाधा आ सकती है। अतः, सच्चाई का पता लगाने और जवाबदेही तय करने के लिए एक स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच अनिवार्य है।

पाकिस्तान के दावों की पोल खुली: सभी 36 राफेल लड़ाकू विमान सुरक्षित और ऑपरेशनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नभारतीय वायुसेना (आईएफ) ने आधिकारिक दस्तावेज जारी कर पाकिस्तान के उन मनगढ़ंत दावों को ध्वस्त किया है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराने की बात कही जा रही थी। इस दस्तावेज से पुष्टि होती है कि भारत के पास फ्रांस से खरीदे गए सभी 36 राफेल विमान पूरी तरह से सुरक्षित और ऑपरेशनल हैं। इस तरह भारत के राफेल पर गलतबयानी करने वाले पाकिस्तान को फिर करारा तमाचा लगा है।

एयर मुख्यालय के डायरेक्टरेट ऑफ इंजीनियरिंग (रीफेल) द्वारा 15 जून, 2026 को फ्रांस की सैन्य एयरक्राफ्ट इंडस्ट्री सेना को फ्रांस की सैन्य एयरक्राफ्ट इंडस्ट्री के दौरान भेज एक ब्रिज सपोर्ट प्रस्ताव (आरएफपी) में

बताया गया है कि भारतीय वायुसेना 2016 के भारत-फ्रांस सरकारी समझौते के तहत प्राप्त सभी 36 राफेल विमानों का संचालन कर रही है। यह टेंडर सितंबर 2026 के बाद भी इन विमानों के निर्बाध रखरखाव और तकनीकी सहायता की आवश्यकता पर केंद्रित है, विशेषकर अगले पाँच महीनों की अंतरिम अवधि के लिए।

36 राफेल विमानों के पूरे बड़े के लिए समर्थन पैकेज का यह प्रस्ताव पाकिस्तान के उन झूठे प्रचार को सिर से खारिज करता है, जिसमें दावा किया रहा था कि भारत के कई राफेल विमानों को मार गिराया गया है। पाकिस्तान सेना को फ्रांस की सैन्य एयरक्राफ्ट इंडस्ट्री के दौरान भेज एक ब्रिज सपोर्ट प्रस्ताव (आरएफपी) में

कि भारतीय महिला पायलट को पकड़ने जैसे बेवुनियाद आरोप लगाए थे। हालांकि, आईएफएफ के हालिया दस्तावेज में बड़े की संख्या में किसी भी कमी का कोई जिक्र नहीं है, बल्कि यह सभी 36 विमानों की निरंतर परिचालन आवश्यकताओं का हिसाब देता है।

दस्तावेजों के अनुसार, सपोर्ट पैकेज का उद्देश्य सभी 36 राफेल विमानों को चालू हालत में बनाए रखना है। इसके तहत प्रत्येक विमान के लिए औसतन सालाना 150 घंटे की उड़ान तय की गई है, जिससे पांच महीने की ब्रिज पोरियड के दौरान कुल 2,250 घंटे की उड़ान अनुमान है। यह ब्रिज सपोर्ट 18 सितंबर, 2026 के बाद विमानों के संचालन को बिना किसी रुकावट के जारी रखने के लिए महत्वपूर्ण

है।

रक्षा सूत्रों का कहना है कि रखरखाव और समर्थन अनुबंध आम तौर पर ऑपरटर के पास मौजूद वास्तविक इन्वेंट्री पर आधारित होते हैं, और 36 विमानों के पूरे बड़े का बार-बार उल्लेख पाकिस्तान के राफेल नुकसान के दावों पर और प्रश्नचिह्न लगाता है। आईएफएफ चीफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पहले ही पाकिस्तान के इन दावों को मनोहर कहानियाँ करार दिया था। वायुसेना के राफेल बड़े के लिए ये सपोर्ट टेंडर सैंफ्रन एयरक्राफ्ट इंडन को भेजा गया है, जो राफेल के एम88 इंजन बनाने वाली मूल कंपनी है। ये 36 राफेल विमान आईएफएफ के नंबर 17 स्क्राइप गोट्टन एरोज और नंबर 101 स्क्राइप में तैनात हैं।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में पुलिस अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज

-एसडीपीओ और थानाध्यक्ष समेत कई पुलिसकर्मियों पर केस

-परिजननों ने न्याय नहीं मिलने पर आत्मदाह की चेतावनी दी

पटना (एजेंसी)। भोजपुर जिले के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। मामले में गणेशपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ), शाहपुर थानाध्यक्ष समेत मुठभेड़ में शामिल अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ शाहपुर थाने में एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। इस कार्रवाई के बाद मामले की जांच को नया मोड़ मिल गया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एनकाउंटर को लेकर उठे सवालों और मृतक के परिजन की शिकायत के आधार पर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले भी इस मामले की विभिन्न स्तरों पर जांच चल रही थी और राज्य

मृतक के भाई चंदन तिवारी ने सरकार की ओर से घोषित न्यायिक जांच पर अविश्वास जताते हुए मीडिया के समक्ष कहा, मोबाइल मामले की जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकता है।

पुलिसकर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिलता तो पूरा परिवार आत्मदाह करने को मजबूर होगा। वहीं, भरत तिवारी के पिता कार्शानाथ तिवारी ने आरोप लगाया कि घटना के समय उनके पुत्र के पास दो मोबाइल फोन थे। पुलिस ने एक मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल वापस कर दी है, लेकिन दूसरा निजी मोबाइल अब भी पुलिस के कब्जे में है। परिवार का कहना है कि यह मोबाइल मामले की जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकता है।



नीट प्रतिबंध समाप्त, गूगल प्ले स्टोर पर टेलीग्राम बहाल

नई दिल्ली ।

बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने मंगलवार सुबह अपने प्ले स्टोर पर मेसेजिंग ऐप टेलीग्राम को बहाल कर दिया। यह कदम सरकार द्वारा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) की पुनर्परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र लीक रोकने के उद्देश्य से लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध की अवधि 22 जून की मध्यरात्रि को समाप्त होने के बाद उठाया गया है। गूगल द्वारा बहाली से पहले ही यह प्लेटफॉर्म कुछ मौजूदा उपयोगकर्ताओं के लिए चालू हो गया था। हालांकि, एपल के ऐप स्टोर पर मंगलवार सुबह करीब 10 बजे तक टेलीग्राम उपलब्ध नहीं था, और कंपनी को भेजे गए ईमेल का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। सरकार ने 22 जून तक टेलीग्राम को ऐप स्टोर से हटाने का निर्देश दिया था, जिसका उद्देश्य 21 जून को आयोजित नीट-यूजी पुनर्परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र लीक को रोकना था। पिछली परीक्षा 3 मई को प्रश्न पत्र लीक के आरोपों के बाद रद्द कर दी गई थी। पुनर्परीक्षा में अब तक किसी धोखाधड़ी की खबर नहीं है। टेलीग्राम को 30 जून तक पहले से भेजे गए संदेशों के संपादन की सुविधा बंद करने को भी कहा गया है ताकि प्रश्न पत्र लीक मामले में साक्ष्यों के दुरुपयोग को रोका जा सके। टेलीग्राम के सीईओ पावेल डवरोव ने इस प्रतिबंध की आलोचना की थी और आरोप लगाया था कि यह लीक नहीं रोकेगा। उन्होंने रिलीफ समूह पर व्हाट्सएप के साथ मिलकर भारत में ऐप प्रतिबंध के लिए पैरवी करने का भी आरोप लगाया था।

एनएसई इमर्ज का मार्केट कैप 2.3 लाख करोड़ के पार

731 कंपनियां सूचीबद्ध, 160 मुख्य बोर्ड में पहुंची; महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली का दबदबा

मुंबई ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के इमर्ज प्लेटफॉर्म ने अपने मार्केट कैपिटलाइजेशन में 2.3 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। यह उपलब्धि भारत के छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है और इस प्लेटफॉर्म को व्यवसायों के लिए एक प्रमुख लॉन्चपैड के रूप में स्थापित करती है। मई 2026 तक, इस प्लेटफॉर्म पर 731 कंपनियां सूचीबद्ध थीं, जिन्होंने आईपीओ के माध्यम से करीब 23,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इन कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन लगभग 2.3 लाख करोड़ रुपये है। एनएसई ने पुष्टि की है कि इमर्ज प्लेटफॉर्म व्यवसायों के लिए एक प्रभावी लॉन्चपैड साबित हुआ है, जिसके तहत 160 कंपनियां सफलतापूर्वक मुख्य बोर्ड (मेनबोर्ड) में स्थानांतरित हो चुकी हैं। इस प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने वाली कंपनियों में महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली का वर्चस्व रहा है। इन तीनों राज्यों की कंपनियों ने मिलकर कुल जुटाई गई धनराशि का लगभग दो-तिहाई हिस्सा जुटाया है। महाराष्ट्र 204 लिस्टेड कंपनियों के साथ अग्रणी है, जिन्होंने 6,256 करोड़ रुपये जुटाए हैं। गुजरात 182 कंपनियों और 4,846 करोड़ रुपये के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि दिल्ली की 102 एनएसई ने 3,745 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इन तीन राज्यों की कुल 488 कंपनियां इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध हैं।

सोना 1,161 रुपए और चांदी 6,469 रुपए तक लुढ़की

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। घरेलू मेटली कंमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और अंतर्राष्ट्रीय कॉमैक्स (कॉमैक्स) दोनों पर कीमती धातुओं के दाम गिरावट के साथ खुले, और खबर लिखे जाने तक नरमी बरकरार रही, जिससे निवेशकों में चिंता देखी गई। घरेलू बाजार में एमसीएक्स पर सोने का अगस्त बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट 2,093 रुपए की गिरावट के साथ 1,46,776 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। यह कॉन्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने तक 1,161 रुपए की गिरावट के साथ 1,46,957 रुपए पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,48,118 रुपए था। इस साल सोना 1,80,779 रुपए के सर्वोच्च स्तर को छू चुका है। इसी तरह चांदी का जुलाई बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट भी 3,903 रुपए की गिरावट के साथ 2,27,676 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 6,469 रुपए की भारी गिरावट के साथ 2,27,841 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इसका पिछला बंद भाव 2,34,310 रुपए था।

ईंधन खुदरा विक्रेताओं को मार्जिन में राहत पर कर अनिश्चितता बनी चुनौती

मुंबई ।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय ईंधन विपणन कंपनियों (ओएमसी) के मार्जिन में सुधार हुआ है, जिससे उन्हें कुछ राहत मिली है। हालांकि, रिपोर्ट ने बढ़ते कर्ज के बोझ और ईंधन पर कर नीति को लेकर अनिश्चितता के कारण इस क्षेत्र की दीर्घकालिक कमाई की संभावनाओं को सीमित बताया है। रिपोर्ट बताती है कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी

और केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती के चलते सरकारी तेल विपणन कंपनियों के पेट्रोल और डीजल बिक्री पर संयुक्त मार्जिन अब पश्चिम एशिया संघर्ष-पूर्व स्तर से ऊपर पहुंच गया है।

संघर्ष के दौरान वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के बावजूद देश में खुदरा कीमतें काफी हद तक स्थिर रहें।

एलपीजी पर होने वाला नुकसान भी तेल कीमतों में

गिरावट के साथ जल्द ही कम होने की उम्मीद है।

जिससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति में और सुधार होगा। हालांकि, रिपोर्ट ने मार्जिन में इस सुधार को लेकर एयरलाइन बचती है। पिछले कुछ महीनों में ओएमसी पर काफी कर्ज चढ़ा है।

जिससे उनके मूल्यांकन पर असर पड़ा है। कंपनी के अतिरिक्त, लाभ का एक बड़ा हिस्सा सरकार द्वारा मार्च में की गई 10 रुपये प्रति लीटर की उत्पाद शुल्क कटौती के

कारण है।

जो वैश्विक तेल कीमतों स्थिर होने पर भविष्य में फिर से लगाया जा सकता है। सरकार ने खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए यह कटौती की थी।

यदि कच्चे तेल की कीमतों कम रहती हैं, तो भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को निकट भविष्य में सबसे अधिक लाभ होने की उम्मीद है।



कारोबार कर रही थी। नकदी दबाव को कम करने और ओवरनाइट मनी मार्केट दरों को नियंत्रित रखने के लिए, केंद्रीय बैंक पिछले कुछ दिनों से सक्रिय है। आरबीआई ने विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामियों के माध्यम से कुल

लगभग 2.43 लाख करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी बैंकिंग प्रणाली में डाली है। यह आरबीआई का एक माध्यम है जिसके जरिये वह बैंकिंग प्रणाली में नकदी की अस्थायी कमी या अधिकता को संतुलित करता है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सैंसेक्स 893 निपटी 278 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हवा रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी, मेटल और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में भारी बिकवाली रही। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार टूटा। इसी कारण

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 893.39 अंक करीब नीचे आकर 76,200.68 पर बंद हुआ जबकि एनएसई निपटी 278.80 अंक की गिरावट के साथ ही 23,824.10 पर पहुंच गया। वहीं व्यापक बाजार में, निपटी मिडकैप और निपटी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.05 गिरावट दर्ज की गयी है। सेक्टरवार देखें, तो निपटी मेटल 3 फीसदी से ज्यादा नीचे आया। इसके अलावा निपटी आईटी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का



प्रदर्शन भी कमजोर रहा, वहीं निपटी फार्मा और निपटी हेल्थकेयर के शेयर लाभ में रहे। निपटी 50 इंडेक्स में इंफोसिस, विप्रो, टीसीएस और जेएसडब्ल्यू

स्टील के शेयर सबसे अधिक गिरे जबकि टाटा स्टील, हिंडालको, बीईएल और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही।

आरेकल ने 21,000 नौकरियां घटाई, एआई को बताया मुख्य कारण

एक साल में कार्यबल 1.62 लाख से घटकर 1.41 लाख हुआ



नई दिल्ली ।

दिग्गज टेक कंपनी आरेकल कार्प ने पिछले एक साल में अपने वैश्विक कार्यबल में लगभग 21,000 कर्मचारियों की भारी कटौती की है। कंपनी ने अपनी वार्षिक नियामक फाइलिंग में इस छंटनी का मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीकों को अपनाता और उनके व्यापक उपयोग को बताया है। सोमवार को जारी फाइलिंग में आरेकल ने स्वीकार किया कि उसके परिचालन में एआई तकनीकों के बढ़ते एकीकरण ने कुछ पदों की आवश्यकता कम कर दी है, जिसका असर कर्मचारियों की संख्या पर पड़ा। 31 मई को समाप्त हुए वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी के वैश्विक पूर्णकालिक कर्मचारियों की संख्या घटकर 1.41 लाख रह गई, जो एक वर्ष पहले 1.62 लाख थी। इस बड़ी कटौती के चलते कंपनी को पुनर्गठन पर लगभग 1.8 अरब डॉलर (करीब 15,000 करोड़ रुपए) का महत्वपूर्ण खर्च उठाना पड़ा।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, ओपनएआई जैसे ग्राहकों के लिए महंगे एआई डेटा सेंटर विकसित करने से आरेकल पर वित्तीय दबाव बढ़ा है।

रेड टेप को कैरी बैग चार्ज पड़ा भारी, उपभोक्ता आयोग ने ठोका 8,000 का जुर्माना

50,000 का मुआवजा और 22,000 रुपए मुकदमेबाजी खर्च की मांग भी की गई

रोहतक ।

हरियाणा के रोहतक स्थित उपभोक्ता आयोग ने जूते के प्रसिद्ध ब्रांड रेड टेप को एक कैरी बैग के लिए 10 रुपए वसूलने पर बड़ा झटका दिया है। आयोग ने इसे अनुचित व्यापार प्रथा मानते हुए कंपनी को ग्राहक से ली गई राशि वापस करने के साथ-साथ 8,000 रुपए का मुआवजा और मुकदमेबाजी लागत चुकाने का निर्देश दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब कई कंपनियां मनमाने ढंग से अतिरिक्त शुल्क वसूलती हैं, और यह ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण जीत है। मामला 1 अप्रैल, 2023 का है, जब एक ग्राहक ने रेड टेप के रोहतक आउटलेट से 2,069.70 रुपए में जूते खरीदे थे। बिल के साथ स्टोर ने कैरी बैग के लिए

10 रुपए अतिरिक्त वसूले। ग्राहक ने इस शुल्क का विरोध करते हुए बिना शुल्क के बैग उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, लेकिन कर्मचारियों ने कंपनी की नीति का हवाला देते हुए इनकार कर दिया। इसके बाद ग्राहक ने इसे कानूनी रूप से गलत मानते हुए उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया, जिसमें 10 रुपए की वापसी के साथ-साथ 50,000 का मुआवजा और 22,000 रुपए मुकदमेबाजी खर्च की मांग की गई। रेड टेप ने अपने बचाव में तर्क दिया कि यह शुल्क पर्यावरण को बढ़ावा देने और मुफ्त बैग के दुरुपयोग को कम करने के लिए लिया गया था। कंपनी ने यह भी कहा कि स्टोर के प्रवेश द्वार पर ग्राहकों को अपने बैग लाने के लिए सूचित करने वाले साइनबोर्ड लगे थे, कैरी बैग खरीदना वैकल्पिक था और उस

पर कोई बांड लगे नहीं था। हालांकि, उपभोक्ता आयोग की पीठ, जिसमें अध्यक्ष नागेंद्र सिंह कादियन और सदस्य तुषि पन्नू व विजेन्द्र सिंह शामिल थे, ने कंपनी के बचाव को पूरी तरह से खारिज कर दिया। आयोग ने बिल और कैरी बैग की जांच की, जिसमें 10 रुपए का शुल्क अलग से दिखाया गया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि कंपनी के अपने हलाकनामों में स्वीकार किया गया था कि उसने अनावश्यक रूप से एक कैरी बैग के लिए 10 रुपये वसूल रहे हैं। आयोग ने इस बयान को ही कंपनी के बचाव को कमजोर करने वाला पाया और इसे सेवा में कमी तथा अनुचित व्यापार प्रथा करार दिया। आयोग ने रेड टेप को ग्राहक से लिए गए 10 रुपए वापस करने, मुआवजे के तौर पर 4,000 रुपए और मुकदमेबाजी



खर्चों के लिए 4,000 रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया। कुल मिलाकर, कंपनी को 8,010 रुपए का अतिरिक्त जुर्माना देना होगा जब तक कि पूरी राशि का भुगतान नहीं हो जाता। यह निर्णय उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक होने और मनमानी वसूली के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

सरकारी तेल कंपनियों के मुनाफे में सुधार की उम्मीद

कच्चे तेल की घटती कीमतों से ईंधन विपणन मार्जिन बेहतर होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए मुनाफे में सुधार की उम्मीद जगी है। जेपी मॉर्गन की एक रिपोर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की घटती कीमतों से ईंधन विपणन मार्जिन में सुधार इसका मुख्य कारण है। हालांकि, बढ़ते कर्ज और ईंधन कर को लेकर अनिश्चितता इस क्षेत्र की लंबी अवधि की कमाई की संभावनाओं को सीमित कर सकती है। जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट बताती है कि सरकारी रिफाइनरियों और खुदरा ईंधन विक्रेताओं के पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर संयुक्त मार्जिन अब पश्चिम एशिया संघर्ष से पहले के स्तर से ऊपर है। यह कच्चे तेल की कम कीमतों और केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती का परिणाम है। संघर्ष के दौरान वैश्विक कीमतों में उछाल के बावजूद घरेलू कीमतें स्थिर रहने से कंपनियों को घाटा हुआ था, लेकिन अब स्थिति सुधार रही है। एलपीजी पर अभी भी नुकसान अधिक है, लेकिन तेल कीमतों के साथ इसमें भी कमी आने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में माल भंडार के नुकसान का असर दिखाएगा, लेकिन दूसरी तिमाही में लाभ बेहतर होने की उम्मीद है।

जरूरत पड़ने पर ऐसे बढ़ाएं पर्सनल लोन की लिमिट, टॉप-अप विकल्प हो सकता है मददगार मौजूदा पर्सनल लोन पर बिना नई अर्जी के पाएं अतिरिक्त फंड्स

मुंबई ।

पर्सनल लोन वित्तीय जरूरतों को पूरा करने का एक लोकप्रिय साधन है। कई बार बड़े खर्चों या आपातकालीन स्थितियों के लिए ली गई शुरुआती लोन राशि कम पड़ जाती है। ऐसे में, यदि आपको और पैसों की जरूरत पड़ती है, तो पर्सनल लोन टॉप-अप सुविधा आपके लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। यह आपको बिना नया लोन आवेदन किए, अपने मौजूदा लोन पर अतिरिक्त फंड्स प्राप्त करने का अवसर देती है। पर्सनल लोन टॉप-अप सुविधा उन लोगों के लिए एक सुविधाजनक समाधान है, जिन्हें अपने मौजूदा पर्सनल लोन के ऊपर अतिरिक्त पैसों की आवश्यकता होती है। यह आपको ऑरिजिनल लोन से ज्यादा फंड्स देती है और इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके लिए किसी नई एप्लिकेशन की जरूरत नहीं होती। टॉप-अप लोन भी स्टैंडर्ड पर्सनल लोन की तरह ही काम करता है, जहां बॉरोअर पैसों को किसी भी काम के लिए इस्तेमाल कर सकता है और इसके लिए कोई कोलैटरल (गिरवी) देने या खर्च पर कोई लिमिट तय करने की जरूरत नहीं होती। जब आप टॉप-अप लेते हैं, तो मौजूदा और



को नियुक्ति को संगठनात्मक स्थिरता और प्रबंधन के अनुभव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्पेसएक्स शेयर रिकॉर्ड निचले स्तर पर कंपनी 20 अरब डॉलर के बॉन्ड जारी कर एआई का करेगी विस्तार



नई दिल्ली ।

एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में लगातार तीसरे कारोबारी दिन भारी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को शेयर 16 फीसदी टूटकर 154.60 पर बंद हुए, जो लिस्टिंग के बाद का सबसे निचला स्तर है। इस गिरावट के साथ, कंपनी का बाजार मूल्य तीन दिनों में 600 अरब डॉलर से अधिक घट गया है। यह गिरावट मुख्य रूप से कंपनी की एक नई फंडिंग योजना के कारण मानी जा रही है, जिसके तहत स्पेसएक्स अपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी महत्वाकांक्षी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए 20 अरब डॉलर तक के निवेश-योग्य बॉन्ड जारी करने की तैयारी में है। स्पेसएक्स ने हाल के महीनों में एआई कारोबार पर तेजी से ध्यान केंद्रित

किया है, जिसमें फरवरी में एलन मस्क की एक्सएआई का अधिग्रहण और सोमवार को एआई स्टार्टअप रिफ्लेक्शन एआई के साथ कंयूटिंग संसाधन समझौते की घोषणा शामिल है। हालांकि, अपने 135 रुपए के आईपीओ मूल्य से शेयर अभी भी लगभग 15 फीसदी ऊपर है। शुरुआती लिस्टिंग में खुदरा निवेशकों की भारी दिलचस्पी देखी थी। कॉर्बेक कैपिटल मार्केट्स ने होल्ड के समान रेटिंग दी है, मानते हुए कि कंपनी अंतरिक्ष में अग्रणी है, पर लंबी अवधि की संभावनाएँ पहले से मूल्य में शामिल हैं। हालांकि, इसका बाजार पूंजीकरण अभी भी 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है, जो इसे शीर्ष छह सबसे मूल्यवान कंपनियों में रखता है। निवेशकों की निगाहें अब कंपनी के एआई निवेश से मिलने वाले रिटर्न पर टिकी हैं।

सम्पादकीय

अब लखनऊ में अग्निकांड, क्या सिस्टम कभी सुधर भी पाएगा

करीब 20 दिन पहले की बात है, जब राजधानी नई दिल्ली में मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए अग्निकांड में 21 लोगों की मौत हो गई थी। संभव है, अब ज्यादातर लोगों की याददाश्त से वह हादसा मिट चुका है। लेकिन उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज में एक तीन मंजिला बिल्डिंग में आग से 15 लोगों की मौत ने एक बार पुनः उस भीषण हादसे की याद दिला दी। लोग वैसे ही जान बचाने को ऊपर की मंजिलों से आग की लपटों के बीच नीचे कूद रहे थे। दिल्ली के होटल की तरह एक ही एजेंट और एंट्रेंस, वैसे ही बेसमेंट, दर्जनों एसी और उनकी तारें। फायर ब्रिगेड के देरी से पहुंचने की शिकायतें। सरकार के मंत्रियों का मौके पर पहुंचना। माता-पिता और अभिभावकों का रुदन। पोस्टमार्टम और जांच के लिए कमेटी का गठन। मुआवजे की घोषणा और शोक संदेश की बाढ़। जैसे अब ऐसे हादसे नियमित मामले हो गए हैं। एक हादसे के बाद सरकार की ओर से तमाम दावे किए जाते हैं, मीडिया और जहां-तहां कमियों, खामियों को गिनाने में रात-दिन निकलने लगते हैं। बड़ी-बड़ी चर्चाएं होती हैं, सरकार संज्ञान लेती है। मंत्रियों और उनसे ऊपर बैठे ओहदेदारों के बयान आते हैं। निर्देश जारी होते हैं, अधिकारी सम्पेंड होते हैं। बिल्डिंग का ओनर गिरफ्तार होता है। कड़ी कार्रवाई के दावे किए जाते हैं और फिर एक दिन सब भूल जाते हैं, शायद एक नए हादसे के इंतजार में। दिल्ली के होटल में 3 जून को अग्निकांड हुआ था और अब 22 जून को लखनऊ के रिहायशी इलाके में इस कमर्शियल इमारत के अंदर आगजनी हो गई। यानी एक ही माह के अंदर उत्तर भारत में दो भीषण अग्निकांड।

लखनऊ में जिस इमारत में यह अग्निकांड हुआ, उसमें भी नियमों का उल्लंघन सामने आ रहा है। बताया गया है कि यह इमारत रिहायशी इस्तेमाल के लिए थी लेकिन इसे प्रयोग किया जा रहा था कमर्शियल प्रयोग के लिए। यहां पर एग्जिट ट्रेनिंग सेंटर बनाया हुआ था और जिस समय अग्निकांड हुआ, तब यहां 30 छात्र थे। इस हादसे के बाद राज्य सरकार ने आधिकारियों पर कार्रवाई की जो जल्दी दिखाई है, अगर समय रहते उन्हीं अधिकारियों ने इसकी जांच कर ली होती कि यह इमारत तय नियमों के अनुसार संचालित है या नहीं तो संभव है, यह 15 जिनदगियां आज सांस ले रही होतीं। लेकिन वह सिस्टम चाहे राजधानी दिल्ली का हो या फिर लखनऊ का, न एसी कर्मरों से बाहर आना चाहता है और न ही एसी गाड़ियों से पर नीचे रखना चाहता है।

लखनऊ में जिस इमारत में यह अग्निकांड हुआ, उसमें भी नियमों का उल्लंघन सामने आ रहा है। बताया गया है कि यह इमारत रिहायशी इस्तेमाल के लिए थी लेकिन इसे प्रयोग किया जा रहा था कमर्शियल प्रयोग के लिए। यहां पर एग्जिट ट्रेनिंग सेंटर बनाया हुआ था और जिस समय अग्निकांड हुआ, तब यहां 30 छात्र थे। इस हादसे के बाद राज्य सरकार ने आधिकारियों पर कार्रवाई की जो जल्दी दिखाई है, अगर समय रहते उन्हीं अधिकारियों ने इसकी जांच कर ली होती कि यह इमारत तय नियमों के अनुसार संचालित है या नहीं तो संभव है, यह 15 जिनदगियां आज सांस ले रही होतीं। लेकिन वह सिस्टम चाहे राजधानी दिल्ली का हो या फिर लखनऊ का, न एसी कर्मरों से बाहर आना चाहता है और न ही एसी गाड़ियों से पर नीचे रखना चाहता है। पूरे देश में सरकारी सिस्टम इसी तरह से काम करता है और सबसे दुखद यह है कि जिसकी जो जिम्मेदारी होती है, वह उसे पूरा करने से कतरता है। राजनीतिकों की मजबूरी है कि उन्हें पांच साल बाद फिर जनता के सम्मुख जाना है, वोट के लिए। इसलिए जब भी ऐसे कांड होते हैं तो वे वहां पहुंचते हैं और सधे हुए ऐसे बयान देते हैं, जैसे इस हादसे के बाद अब कहीं कोई और हादसा नहीं होगा। इस कोताही के बाद अब कहीं कोई और कोताही नहीं होगी। बेशक, वे भी जानते होते हैं कि अगर पब्लिक के सामने अभी रोना पड़े तो रो लो। जनता के सामने शोक के सागर में डूबने का नाटक करना पड़े तो कर लो। चाहे जितने भी अधिकारियों को सम्पेंड करना हो, कर लो। कुछ दिन की बात है। जनता सब भूल जाएगी। कौन पूछता फिरेगा कि जिस अधिकारी को सम्पेंड किया था, वह फिर से उसी कुर्सी पर काबिज क्यों हो चुका है। क्योंकि सरकारी सिस्टम है, जो इसी प्रकार चलता है। घूम कर फिर सब वहीं पहुंच जाता है।

दिल्ली के होटल में भी जमकर कोताही बरती जा रही थी। इसे सरकार की ब्रेड एंड ब्रेकफास्ट स्कीम के तहत चलाया जा रहा था, इस स्कीम के तहत अग्निशमन, एमसीडी या पुलिस की मंजूरी की आवश्यकता नहीं होती। दिल्ली में इस समय ऐसे 1 हजार से ज्यादा बीएनबी संचालित किए जा रहे हैं। जाहिर है, नियमों में ढील का फायदा कारोबारी इस तरह से उठाते हैं, लेकिन उनकी भूल निर्दोषों पर भारी पड़ती है। लखनऊ में भी यही हुआ है, यहां इमारत का नक्शा आवासीय था लेकिन उसे बना दिया गया था व्यवसायिक। निश्चित रूप से अग्निकांड कहीं भी हो सकता है, यह भी संभव है कि जिस इमारत में सभी नियम पूरे किए जा रहे हों, वहां पर भी हादसा हो सकता है। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि आखिर ऐसे हादसों के बाद सरकार की ओर से तुरंत बचाव की प्रभावी प्रणाली क्यों नहीं अमल में लाई जाती। फायर ब्रिगेड बाद में पहुंचती है, तब आग भड़क चुकी होती है और उसमें फंसे लोग जान बचाने को छलंगा लगाने को मजबूर होते हैं। इस हादसे के पीछित भी फोन पर अपने परिजनों से बचाने की गुहार लगाते रहे लेकिन उस समय फायर ब्रिगेड न जाने कहाँ थी। जाहिर है, राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित किए जाने की जरूरत है कि अग्निकांड होने की स्थिति में कम से कम जनहानि हो, इसे यकीनी बनाया जाए। वहीं नियमों का उल्लंघन कर बनाई गई एसी इमारतों पर बुलडोजर चलाया जाए।

यूएई की ब्रह्मोस में दिलचस्पी से बदलेगा खाड़ी का सामरिक समीकरण, भारत बनेगा नया रणनीतिक केंद्र

पश्चिम एशिया की बदलती शक्ति राजनीति के बीच भारत के लिए एक जबरदस्त रणनीतिक अवसर उभरता दिखाई दे रहा है। संयुक्त अरब अमीरात अब भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और आकाशतौर वायु रक्षा प्रणाली खरीदने पर गंभीर बातचीत कर रहा है। यह खाड़ी क्षेत्र की बदलती सामरिक दिशा का खुला संकेत है। देखा जाये तो यह वही क्षेत्र है जहां पाकिस्तान दशकों तक इस्लामी सैन्य एकजुटता के नाम पर अपना प्रभाव जमाने की कोशिश करता रहा, लेकिन अब हालात तेजी से बदल रहे हैं।

भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच चल रही यह बातचीत उस समय सामने आई है जब सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रक्षा सहयोग लगातार मजबूत हुआ है। दोनों देशों के बीच ऐसे समझौते हुए हैं जिनमें सुरक्षा सहयोग और सैन्य प्रतिक्रिया का पहलू भी शामिल है। ऐसे में सऊदी अरब के पड़ोसी संयुक्त अरब अमीरात का भारत की सबसे घातक और चर्चित मिसाइल प्रणाली में रुचि दिखाना केवल व्यापारिक फैसला नहीं माना जा सकता। इसके पीछे पश्चिम एशिया की गहरी शक्ति प्रतिस्पर्धा और पाकिस्तान को लेकर बदलती सोच साफ दिखाई देती है।

हम आपको बता दें कि ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज परिक्राना सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल मानी जाती है। इसे जमीन, समुद्र और हवा तीनों माध्यमों से दागा जा सकता है। भारत और रूस ने मिलकर इसे विकसित किया है। फिलीपींस, वियतनाम और इंडोनेशिया के बाद यदि संयुक्त अरब अमीरात इसे खरीदता है तो यह भारत के रक्षा निर्यात इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल होगा। इससे भारत केवल हथियार बेचने वाला देश नहीं बल्कि वैश्विक सामरिक संतुलन बनाने वाला शक्ति केंद्र बनकर उभरेगा।

आकाशतौर प्रणाली की चर्चा भी बेहद महत्वपूर्ण है। यह भारत की स्वदेशी स्वचालित वायु रक्षा निर्यात प्रणाली है, जिसे भारतीय सेना और भारत इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड ने विकसित किया है। हाल के संघर्षों में ड्रोन् और मिसाइल हमलों ने जिस



तरह युद्ध की तस्वीर बदल दी है, उसके बाद खाड़ी देश अपनी वायु सुरक्षा को लेकर बेहद सतर्क हो गए हैं। ईरान, इजराइल और क्षेत्रीय संघर्षों के कारण पूरा पश्चिम एशिया अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। ऐसे माहौल में संयुक्त अरब अमीरात ऐसी रक्षा प्रणाली चाहता है जो तेज, सटीक और बहुस्तरीय सुरक्षा दे सके।

सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि संयुक्त अरब अमीरात अब केवल अमेरिका या पश्चिमी देशों पर निर्भर नहीं रहना चाहता। वह अपने रक्षा आपूर्तिकर्ताओं का दायरा बढ़ा रहा है ताकि किसी एक शक्ति के दबाव में न आना पड़े। भारत उसके लिए आदर्श विकल्प बनकर उभरा है क्योंकि भारत तकनीकी रूप से सक्षम है, तेजी से उभरती सैन्य शक्ति है और पश्चिम के साथ भी उसके अच्छे संबंध हैं।

यहीं पर पाकिस्तान की बेचैनी शुरू होती है। दशकों तक पाकिस्तान खाड़ी देशों के लिए सैन्य सहयोगी बना रहा। पाकिस्तानी सेना ने सऊदी अरब और खाड़ी देशों में प्रशिक्षण से लेकर सुरक्षा तक में भूमिका निभाई। लेकिन अब वही खाड़ी देश भारत की सैन्य तकनीक पर भरोसा दिखा रहे हैं। यह पाकिस्तान की रणनीतिक हार है। इसके अलावा, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि

देखा जाये तो संयुक्त अरब अमीरात के पाकिस्तान से दूर जाने के पीछे केवल सामरिक कारण नहीं हैं, बल्कि भरोसे का संकट भी है। पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली, कट्टरपंथी संगठनों को लेकर उसकी खराब छवि, आतंकवाद को लगातार समर्थन और राजनीतिक अस्थिरता ने खाड़ी देशों का विश्वास कमजोर किया है। संयुक्त अरब अमीरात को यह समझ आ गया है कि पाकिस्तान भरोसेमंद साझेदार नहीं रह गया, जबकि भारत एक स्थिर, मजबूत और तेजी से उभरती वैश्विक शक्ति बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान के बीच बनी व्यक्तिगत केमिस्ट्री ने दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। मोदी के कार्यकाल में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहे, बल्कि रक्षा, ऊर्जा, निवेश, आतंकवाद विरोधी सहयोग और समुद्री सुरक्षा तक फैल गए। यही वजह है कि आज अबू धाबी को भारत केवल हथियार बेचने वाला देश नहीं, बल्कि ऐसा रणनीतिक साथी नजर आ रहा है जो संकट की घड़ी में मजबूती से साथ खड़ा रह सकता है। इसके अलावा, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि

संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के रिश्तों में हाल के वर्षों में तनाव बढ़ा है। तेल उत्पादन, यमन नीति, क्षेत्रीय नेतृत्व और आर्थिक प्रतिस्पर्धा जैसे कई मुद्दों पर दोनों देशों के बीच मतभेद सामने आए हैं। ऐसे में यदि सऊदी अरब पाकिस्तान के साथ गहरे रक्षा संबंध बना रहा है तो संयुक्त अरब अमीरात का भारत की ओर झुकाव एक संतुलनकारी रणनीति के रूप में देखा जा सकता है।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब खाड़ी की राजनीति दो अलग ध्रुवों की तरफ बढ़ रही है। एक तरफ सऊदी अरब और पाकिस्तान का पारंपरिक सामरिक समीकरण है, तो दूसरी तरफ संयुक्त अरब अमीरात भारत के साथ नई रणनीतिक धुरी बनाता दिख रहा है। भारत के लिए यह स्थिति बेहद लाभकारी है क्योंकि इससे उसे पश्चिम एशिया में अभूतपूर्व सामरिक पहुंच मिल सकती है।

भारत के लिए एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पिछले वर्ष पाकिस्तान के साथ संघर्ष के दौरान ब्रह्मोस के प्रभावी उपयोग ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। इसके बाद कई देशों ने इस मिसाइल में रुचि दिखाई। थाईलैंड, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और चिली जैसे देश भी इसे खरीदने की इच्छा जता चुके हैं। यानी भारत अब केवल हथियार आयात करने वाला देश नहीं रहा, बल्कि वैश्विक रक्षा बाजार का निर्णायक खिलाड़ी बन चुका है।

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि मार्च 2026 में समाप्त वित्तीय वर्ष में भारत का रक्षा निर्यात चार अरब डॉलर के पार पहुंच गया, जबकि 2013-14 में यह केवल 7.26 करोड़ डॉलर था। यह उछाल बताता है कि भारत की रक्षा तकनीक अब विश्व स्तर पर भरोसेमंद मानी जा रही है।

बहरहाल, यदि संयुक्त अरब अमीरात के साथ यह समझौता अंतिम रूप लेता है तो इसके कई दूरगामी परिणाम होंगे। एक तो इससे भारत की सामरिक साख अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचेगी। साथ ही पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश जाएगा कि खाड़ी में उसका एकाधिकार खत्म हो चुका है। इसके अलावा, पश्चिम एशिया में भारत की सैन्य और कूटनीतिक मौजूदगी और मजबूत होगी।

अर्थ प्रकाश में 34 साल पहले आज का दिन

नौकरी दिलाने का झांसा देकर 5500 रुपए लेकर फरार

चंडीगढ़ स्थानीय सेक्टर 7 में एक कार चालक द्वारा धोखाधड़ी करके 5500 रुपए लेकर भाग जाने का समाचार है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सैनी मोहल्ला बनूड के निवासी ज्ञान चंद के घर गत दिवस एक व्यक्ति एम्बेसडर कार से आया तथा कहने लगा कि वह उसकी (ज्ञान चंद की) बेटी के ससुराल लुधियाना से आया है। व्यक्ति कार सवार ने आते ही ज्ञान चंद जी कहा कि 5500 रुपए तैयार करो। तुम्हारे बेटे जीवन कुमार को चंडीगढ़ में नौकरी दिलानी है। ज्ञान चंद ने तुरंत-फुर्त में 5500 रुपए लिए तथा अपने बेटे व एक पड़ोसी गुरपाल सिंह को उसी कार में बिठाकर चंडीगढ़ ले आया। चंडीगढ़ पुलिस में दायर रिपोर्ट में ज्ञान चंद ने बताया कि उस कार चालक ने उसे तथा गुरपाल को सेक्टर 7 में मकान नंबर 45 के निकट उतार दिया तथा उसके बेटे जीवन कुमार को लेकर यह कहकर कहीं चला गया कि मैं पैसे जमा करवाने है ज्ञान चंद ने आगे बताया कि कार चालक ने सेक्टर 7 के शोरूमों के नजदीक जीवन कुमार से पैसे लेकर कहा कि तुम रुको मैं अभी आया। इतना कहकर वह वहां से फरार हो गया।

नहर निर्माण-एक सवालिया निशान

सतलुज यमुना संपर्क नहर का कार्य पंजाब तथा हरियाणा राज्यों के बीच खींचतानी के कारण पिछले कई सालों से मुकम्मल नहीं हो पाया है। नहर के कार्य बारे दोनों राज्यों के नेता समय-समय पर तरह-तरह के बयान देते रहते हैं, जिस कारण यह मसला सुलझने की जवाब और अधिक जटिल हो जाता है। गत दिवस पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह ने एक और बात कह डाली कि जिस प्रकार हरियाणा रावी नदी के पानी का हिस्सा मांगता है उसी तरह यमुना नदी जल में पंजाब का हिस्सा बनता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हरियाणा यमुना नदी से पंजाब के हिस्से का दे दे तो पंजाब भी हरियाणा की रावी नदी से जल उपलब्ध करा देगा। श्री बेअंत सिंह ने यह भी कहा कि अगर हरियाणा रावी नदी से अपने हिस्से की मांग छोड़ देगा तो पंजाब भी यमुना से अपने हिस्से का पानी नहीं मांगेगा। श्री बेअंत सिंह की इन शर्तों के पीछे भले ही राजनीतिक कारण रहे हो, लेकिन इसके बावजूद दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों को चाहिए कि वे अपने राजनीतिक हितों को प्राथमिकता न दें बल्कि सामाजिक आवश्यकताओं तथा जनता के हितों का भी ध्यान रखें।

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

1314-	बैकोंकर्न की लड़ाई-रॉबर्ट ट रूस ने एडवर्ड द्वितीय को हराकर स्कॉटलैंड को हराया।	1961-	भारत के पहले स्वदेशी एएफए 24 सुपरसोनिक लड़ाकू विमान ने उड़ान भरी।
1340-	एक सौ साल का युद्ध-एडवर्ड III ने फ्रांसीसी नौसेना को नाट कर दिया।	1986-	भारत सरकार ने अविवाहित महिलाओं के लिए भी मातृत्व लाभ को स्वीकृति दी।
1441-	ईरान कॉलेज की स्थापना।	1996-	माइकल जॉर्जसन ने 19.66 सेकंड में 200 मीटर दौड़कर विश्व रिकॉर्ड बनाया।
1497-	जॉन कैबट न्यूफाउंडलैंड पहुंचे।	2002-	इग्नॉड, तंजाविया के पास ट्रेन दुर्घटना। 281 मारे गए।
1564-	मलरानी दुर्गाती मुगलों से जंग के दौरान शहीद हुईं।	2004-	न्यूयॉर्क राज्य में मौत की सजा को असंवैधानिक घोषित किया गया।
1664-	न्यू जर्सी कॉलेजी की स्थापना हुई।	2005-	जॉन नेवोपोट्टे ईराक में अमेरिका के पहले राजदूत बने।
1692-	किंगस्टन शहर की स्थापना हुई।	2006-	अमेरिका ने भारत की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन करने की घोषणा की।
1793-	फ्रांस ने अपना पहला गणतंत्रालयक सविधान अपनाया।	2006-	फिलिपींस ने अपने यहाँ न्यूट्रल को समाप्त कर दिया।
1812-	नेपोलियन बोनापार्ट ने रूस पर आक्रमण किया।	2008-	गोपाल क. प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला ने अपने पद से इस्तीफा दिया।
1821-	काराबोबो की लड़ाई।	2012-	मिस्र में पहली बार हुए राष्ट्रपति चुनाव में मुस्लिम ब्रदरहुड के मुहम्मद मुर्सी निर्वाचित हुए।
1913-	बीस और साठवाँ के बुल्गारिया के साथ संधि को तोड़ा।	2016-	ब्रिटेन में यूरोपीय संघ से संबंध के प्रश्न पर हुए 23जून के जनमत-संग्रह में आधे से ज्यादा लोगों ने अलगाव के पक्ष में मत दिया।
1916-	द्वितीय विदेश युद्ध- सोम की लड़ाई।		
1922-	वेमर गणराज्य के विदेश मंत्री वाल्टर रथेनज की हत्या कर दी गई।		
1940-	द्वितीय विदेश युद्ध- फ्रांस और इटली ने अक्टूबर।		
1948-	सोवियत संघ ने बर्लिन के साथ मैत्रीपूर्ण जमीनी संपर्क खो दिया।		

बॉल ब्यूटीफुल



विलिंदर खांडेकर: ब्रिटेन में राजनीतिक उठापटक का आलम यह है कि पिछले 10 वर्षों में छह प्रधानमंत्री बन चुके हैं।

प्रधानमंत्री विप्लव स्टार्मर ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दो साल पहले उनकी लेकर पार्टी भारी बढ़त से चुनाव जीती थी। सरकार की लोकप्रियता लगातार कम हो रही थी, जिसके चलते उनके खिलाफ बगवात हुई।

दिलीप अंसल: ब्रिटेन में सत्ताधारी पार्टी को जग ये लाता है कि उसका प्रधानमंत्री अलोकप्रिय हो रहा है और अगला चुनाव नहीं जितवा पाएगा तो पार्टी उसे हटा देती है। जबकि भारत की वंशावटी पार्टीयों ने पार्टी को बार-बार हराया वाला भी नेता बना रहता है। इस बीमारी से मुक्त होने के कारण ही भाजपा में विलीनीयता बनी रहती है। सीएम से लेकर पीएम एर लोकप्रिय बने रहने और जीतने का दबाव बना रहता है।

अशोक श्रीवास्तव: आपने सांसदों की बगवात से परेशान उद्धव ठाकरे ने कहा है कि उनको गलती नहीं है कि उन्होंने गलत्यों को टिकट दिया, जो बाबरी थे, उन्हें टिकट दिया। जब वे गलत थे, बाबरी थे तो सवाल यही है कि उन्होंने ऐसे लोगों को अक्षिद क्यों टिकट दिया?

हर शहर में सुलगती लापरवाही : क्या अगला लखनऊ आपका होगा?

दैनिक अर्थ प्रकाश

जब कागजों की मंजूरीयों और बंद लिफाफे सच को ढकने लगते हैं, तब आग केवल इमारतों तक सीमित नहीं रहती, वह व्यवस्था की आत्मा को भी झुलसा देती है। लखनऊ के अलीगंज की घटना किसी एक दिन की दुर्घटना नहीं, बल्कि उस लंबी लापरवाही का विस्फोट थी जिसमें सुरक्षा को हमेशा बाद में टाल दिया गया। इसी पृष्ठभूमि में एक तीखा सवाल उभरता है—जो अब फुसफुसाहट नहीं, बल्कि कठोर सामाजिक आरोप बन चुका है। यह सिर्फ एक घटना का वर्णन नहीं, बल्कि उस ढांचे का दर्पण है जहाँ शिक्षा धीरे-धीरे जोखिम और लाभ के बीच झूलता हुआ बाजार बन गई है।

22 जून 2026 की दोपहर ने लखनऊ के अलीगंज की एक साधारण सी इमारत को मौत के मंजर में बदल दिया। नीचे पेट शॉप और क्लिनिक की रोजमर्रा की हलचल थी, जबकि ऊपर कोचिंग सेंटर में भविष्य संवारने के सपने बुने जा रहे थे। लेकिन कुछ ही पलों में वह इमारत धुएँ और आग के भयानक जाल में कैद हो गई। छत्र जान बचाने के लिए भागे, खिड़कियों तक पहुंचे, कुछ ने मजबूती में

छलांग लगाई, पर अधिकांश घने धुएँ की दीवार में फंस गए। चीखें धीरे-धीरे खामोशी में घुल गईं। कम से कम 15 युवा जीवन, जो अभी सपनों को पूरी तरह समझ भी नहीं पाए थे, लखनऊ में 15 जवान सपनों की राख- बनकर हमेशा के लिए मिट गए।

यह हादसा किसी अचानक तकनीकी खराबी का नतीजा भर नहीं था, बल्कि उस व्यवस्था की उपज था जिसने वर्षों तक चेतावनियों को अनसुना किया। जिस भवन में कोचिंग संचालित हो रही थी, उसे 2016 में अवैध निर्माण पर एलडीए द्वारा ध्वंसीकरण का नोटिस जारी हुआ था, जिसे दो महीने बाद वापस ले लिया गया था। फायर एनओसी मौजूद नहीं था, और आपातकालीन निकास या तो बंद पड़े थे या केवल औपचारिकता बनकर रह गए थे। खिड़कियों पर लगी लोहे की जालियाँ/ग्रिल्स बाहर निकलने में बाधक बनीं। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार एसी में संचालित शॉर्ट सर्किट सिर्फ एक चिंगारी थी, असली आग तो उस लापरवाही में थी जो वर्षों से सुलग रही थी। नीचे व्यापार की रफ्तार जारी थी और ऊपर जीवन दम तोड़ रहा था।

जैसे-जैसे हादसे की परतें खुलती



गई, वही पुराना और असहज करने वाला सवाल फिर सामने खड़ा हो गया—आखिर यह सब हुआ कैसे? अनुभूति किसने दी, निरीक्षण किसने किया, और किसने जानबूझकर नजरें फेर लीं? यह केवल प्रशासनिक लापरवाही भर नहीं दिखती, बल्कि एक ऐसे तंत्र की ओर इशारा करती है जहाँ नियमों की किमत्त तय होती है और सुरक्षा सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाती है। यह पैटर्न नया नहीं है। कोटा की आत्महत्याएँ, दिल्ली के राजेंद्र नगर की बेसमेंट बाढ़ और अब लखनऊ की यह

अग्निकांड—हर जगह कहानी एक ही जैसी दिखती है— भोड़ बढ़ाओ, मुनाफा करो और सुरक्षा को बाद के लिए छोड़ दो।

आज के दौर में छत्र केवल सीखने वाला नहीं रह गया, बल्कि एक चलती-फिरती आर्थिक इकाई में बदल चुका है। माता-पिता कर्ज के बोझ तले फीस चुकाते हैं, अपनी उम्मीदें गिरवी रखकर बच्चों का भविष्य 'खरीदने' की कोशिश करते हैं। कोचिंग उद्योग इस मानसिक दबाव को बखूबी समझता है, इसलिए

उसकी संरचना भी उसी अनुरूप गढ़ी जाती है—ऊंची दीवारें, नियंत्रित प्रवेश और अक्सर बंद पड़े आपात निकास। यही वह व्यवस्था है जिसने शिक्षा को धीरे-धीरे ऐसे तंत्र में बदल दिया है, जहाँ जीवन से अधिक महत्व उपस्थिति और फीस को मिलने लगता है।

हादसे के बाद प्रशासनिक प्रतिक्रिया भी उसी पुराने, परिचित ढर्रे पर आगे बढ़ी। जांच के आदेश जारी हुए, शोक संदेश दिए गए, मुआवजे की घोषणाएँ हुईं, कुछ गिरफ्तारियाँ और निलंबन भी हुए—जैसा

हर बार होता आया है। मुख्यमंत्री स्तर से कार्रवाई के निर्देश आए, प्रधानमंत्री ने संवेदना व्यक्त की, लेकिन यह संवेदना भी कुछ ही समय में औपचारिकता बनकर रह गई। असली प्रश्न फिर भी अनुत्तरित रहे—क्या यह अंतिम हादसा होगा, या अगली त्रासदी की नींव पहले से ही रखी जा रही है? क्योंकि हर दुर्घटना के बाद यही चक्र दोहराया जाता है और समय के साथ समाज उसे भुला देने की आदत डाल लेता है।

अब प्रश्न व्यवस्था की कार्यप्रणाली नहीं, उसकी नींव की ईमानदारी पर है। कोचिंग सेंटरों को 'शिक्षा का मंदिर' नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से व्यावसायिक इकाई मानकर सख्त नियंत्रण में लाना होगा। हर भवन का फायर ऑडिट और संरचनात्मक सुरक्षा प्रमाणपत्र अनिवार्य होना चाहिए। बेसमेंट में कक्षाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। खिड़कियों पर लगी ग्रिलें रोकने का माध्यम बनने पर दंडनीय अपराध हों, और किसी भी मौत की स्थिति में प्रबंधन पर सीधे आपराधिक हत्या का मुकदमा चले। साथ ही एक स्वतंत्र 'नेशनल कोचिंग सेंटरों दिव' बनाई जाए, जो राजनीतिक दबाव से मुक्त हो।

सुधार की सीमा केवल कोचिंग संस्थानों तक नहीं हो सकती। समस्या उस व्यापक शिक्षा ढांचे में छिपी है, जो छात्रों को एकरतफा दबाव डालकर सफलता का सीमित रास्ता दिखाता है। जब सफलता का एकमात्र मानक प्रतियोगी परीक्षाएँ बन जाती हैं, तो कोचिंग उद्योग स्वतः ही अनियंत्रित बाजार में बदल जाता है। इसलिए स्कूल-कॉलेज स्तर पर सुधार, परीक्षा प्रणाली का संतुलन और मानसिक दबाव में कमी केवल शैक्षणिक सुधार नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले जरूरी कदम हैं।

अगर अब भी यह चेतावनी अनसुनी रहती, तो हर शहर किसी न किसी दिन लखनऊ की ही पुनरावृत्ति बन जाएगा। हर इमारत किसी अंधेरी रात में 'लखनऊ आग में 15 जवान सपनों की राख' जैसी दर्दनाक कहानी दर्ज करती रहेगी। हम तब भी सिर्फ खबरें पढ़ेंगे, जांचें देखेंगे और अगले हादसे के आने का इंतजार करते रहेंगे। लेकिन उस समय शायद सवाल पूछने वाला कोई नहीं बचेगा—क्योंकि तब तक सपने, उम्मीदें और जीवन, सब कुछ पहले ही राख में बदल चुका होगा, और व्यवस्था केवल पछतावे के पत्रे पलटती रह जाएगी।

एसआईटी ने की अग्निकांड स्थल की पड़ताल, घायलों से भी मिला जांच दल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर तेज गति से जारी है जांच

घायलों से मिली जानकारी व साक्ष्य के आधार पर कई लोगों से होगी पूछताछ- अमृत अभिजात

एफएसएल की टीम ने मौके से जुटाए महत्वपूर्ण साक्ष्य, निर्धारित समय में आगपी जांच रिपोर्ट- प्रवीण कुमार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

लखनऊ, 23 जून। मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ के सख्त निर्देश पर अलौंग अग्निकांड की समग्र जांच तेज गति से जारी है। मंगलवार को दो सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) घटनास्थल पर पहुंचा। टीम ने इसके बाद केजीएमयू में भर्ती घायलों से भी मुलाकात की और उनसे घटना के संबंध में जानकारी ली। उत्तर प्रदेश विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम ने भी घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं। एसआईटी के सदस्य अपर मुख्य सचिव (पर्यटन एवं संस्कृति विभाग) अमृत अभिजात और एडीजी (लखनऊ जेन) प्रवीण कुमार सुबह घटनास्थल पर पहुंचे। यहां उन्होंने करीब एक घंटे से अधिक समय तक बारीकी

से पूरी बिल्डिंग का निरीक्षण किया। अमृत अभिजात ने कहा कि घटनास्थल की विभिन्न प्रकार से फोटो ली गई हैं। साक्ष्य जुटाकर जांच को तेजी से अंजाम दिया जा रहा है। अग्निकांड से संबंधित व्यक्तियों व विभागों से भी पूछताछ होगी। उसके बाद जांच रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा। एडीजी प्रवीण कुमार ने बताया कि हम लोगों ने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया है। साथ में फॉरेंसिक की टीम ने सभी महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं, जिनके आधार पर कुछ लोगों से पूछताछ की जाएगी। घटना से संबंधित हर विभाग के दायित्व को जांच दयरे में शामिल किया गया है। अग्निकांड पीड़ितों से भी जानकारी ली जाएगी। इसके बाद निर्धारित समय सीमा में

जांच रिपोर्ट शासन को सौंपी जाएगी। घटनास्थल से निकलने के बाद एसआईटी ने केजीएमयू में भर्ती घायलों से भी मुलाकात की। **एफएसएल ने जुटाए घटनास्थल से नमूने**



का निर्देश दिया। एसआईटी को 7 दिन में अपनी जांच रिपोर्ट सौंपनी है। अब तक मामले में चार लोगों को गिरफ्तार

किया जा चुका है। वहीं चार अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है।

दिल्ली- बाल्मीकि बस्ती में भीषण आग, चपेट में आई कई झुग्गियां



अर्थ प्रकाश संवाददाता /अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली/ जून 23, नई दिल्ली। दिल्ली के मौलाना आजाद मैडिकल कॉलेज के पीछे स्थित बाल्मीकि बस्ती, तफिया काले खां इलाके की कुछ झुग्गियों में सोमवार देर रात भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना आधी रात के आसपास फायर कंट्रोल रूम को दी गई, जिसके बाद दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। गनीमत यह रही कि दमकल विभाग की मुस्तेदी और त्वरित कार्रवाई के चलते आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। फायर कर्मियों ने कड़ी मशकत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में किसी के हाताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, प्रभावित क्षेत्र में बड़ी मात्रा में लकड़ी का सामान और अस्थायी ढांचे मौजूद थे, जिसके कारण आग तेजी से फैल गई।

रेखा गुप्ता ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अर्पित की पुष्पांजलि

अर्थ प्रकाश/ अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली / जून 23, नई दिल्ली। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के मौके पर देश भर में जगह जगह कार्यक्रम हो रहे हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी



जी के बलिदान दिवस पर आज दिल्ली गेट स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली गेट स्थित शहीदी पार्क में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। दिल्ली बीजेपी की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश सगठन

महामंत्री पवन राणा,अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा सहित प्रदेश इकाई के तमाम लोग शामिल हुए। इस मौके पर सीएम रेखा गुप्ता ने पार्क में वृक्षारोपण भी किया। गौरतलब है कि राष्ट्र की एकता,अखंडता और स्वाभिमान के लिए उनका संघर्ष और बलिदान हमेशा प्रेरणास्रोत है। इस मौके पर सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि श्यामा प्रसाद दो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने राष्ट्र प्रथम की नींव रखी है।

माता श्री काली देवी मंदिर का निर्माण जल्द पूरा होगा चैयरमेन हरपाल जुनेजा



अर्थ प्रकाश/ पटियाला, 23 जून (मोहन शर्मा) आम आदमी पार्टी के नेशनल कन्वेंशन श्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की कोशिशों से माता श्री काली देवी मंदिर का निर्माण तेजी से चल रहा है। इस बारे में पी आर टी सी के चैयरमेन हरपाल जुनेजा ने स्पष्ट रूप से कहा कि माता श्री काली देवी मंदिर का कस्टर्शन का काम बहुत तेजी से और मॉडर्न तरीके से चल रहा है और इसे जल्द ही भत्तो को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भक्त बड़ी आस्था के साथ माता के दर्शन करने आते हैं। इस मौके पर सभा के अध्यक्ष बाल कृष्ण सिंगला ने कहा कि मंदिर के कस्टर्शन के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री की कोशिशों को भक्त पूरी दुनिया में याद रखेंगे। इससे पहले दूसरी सरकारों ने सिर्फ वादे किए थे लेकिन मान सरकार ने जो कहा वो किया, जिसके लिए पूरा समाज उनका शुक्रगुजार है। इस मौके पर सभा के पदाधिकारी संजय सिंगला, देवी दास गोयल, राजीव गोयल, कुलदीप गर्ग, विजय गोयल, उर्मिला पुरी, नीना गुप्ता, पवन गोयल और राजेश सिंगला भी मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति एवं अवैध मादक पदार्थ तस्करी विरोधी दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता शिविर आयोजित

अर्थ प्रकाश/ भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा के उपाध्यक्ष अंकुश मिगलानी, महासचिव डॉ. सुनील कुमार के निदेशानुसार तथा अध्यक्ष सिन्हा उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला रेडक्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद के मार्गदर्शन में एवं सचिव बिजेन्द्र सोरोत के नेतृत्व में 26 जून को प्रतिबंध मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति एवं अवैध मादक पदार्थ तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर 23 जून से 30 जून 2026 तक आयोजित किए जा रहे जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आज राजकीय कन्या आईटीआई, उंचा गांव में एक विशेष नशा मुक्ति जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह दिवस समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा नशासमुक्त जीवन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनाया जाता है। कार्यक्रम में राजकीय कन्या आईटीआई की प्रधानाचार्य श्री श्याम जी, बी.के. अस्पताल से श्रीमती अनुक्रम भारती, श्रीमती ममता एवं श्रीमती सुमंत्रा ने विधाथियों एवं उपस्थित जनसमूह को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला रेड क्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद के नशा मुक्ति एवं पुनर्वास्य केंद्र के परियोजना निदेशक श्री धर्मंदर कसाना ने नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार एवं समाज के विकास में भी बाधा उत्पन्न करता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहकर अपने जीवन को सकारात्मक दिशा दे तथा समाज में नशा मुक्ति का संदेश फैलाएं। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित प्रतिभागियों ने नशासमुक्त समाज के निर्माण हेतु संकल्प लिया तथा नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता अभियान को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विधाथियों, शिक्षकों एवं अन्य गणगण्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

न्यूज़ ब्रीफ

ट्रेड्स कमीशन द्वारा उठाई गई सभी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध : अनुप्रीता जोहल

व्यापारियों की समस्याओं के समाधान हेतु एसीसी ने ट्रेड्स कमीशन के साथ बैठक की -पंजाब ट्रेड कमीशन व्यापारियों को दूरस्थ समस्याओं का लगातार समाधान कर रहे है - वाइस चैयरमैन गुरप्रीत सिंह धमोली



अर्थ प्रकाश/पटियाला, 23 जून (मोहन शर्मा)/ पटियाला जिले के व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान तथा ट्रेड्स कमीशन द्वारा उठाए गए मुद्दों की समीक्षा के लिए अतिरिक्त उपायुक्त (ज) अनुप्रीता जोहल ने पंजाब ट्रेड कमीशन पटियाला के चैयरमैन एडवोकेट विनोद कुमार सिंगला, पंजाब के वाइस चैयरमैन गुरप्रीत सिंह धमोली तथा अन्य सदस्यों के साथ बैठक की। एसीसी अनुप्रीता जोहल ने बताया कि बैठक के दौरान पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का गंभीरता से निपटारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 55 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, जबकि 30 शिकायतें अभी लंबित हैं और उन पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, डिप्टी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल के नेतृत्व में, इन मुद्दों के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर चैयरमैन एडवोकेट विनोद सिंगला ने कहा कि जल्द ही राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान पटियाला जिले के व्यापारियों से मिलने पहुंचेंगे। वाइस चैयरमैन गुरप्रीत सिंह धमोली ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार व्यापारियों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और कमीशन व्यापारियों के साथ खड़ा होकर उनकी समस्याओं का लगातार समाधान कर रहा है। चैयरमैन ने आगे कहा कि व्यापारियों द्वारा उठाई जाने वाली प्रत्येक समस्या को गंभीरता से लिया जाएगा और संबंधित विभागों के सहयोग से उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने व्यापारिक समुदाय से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सीधे ट्रेड्स कमीशन से संपर्क करें, ताकि उनकी मांगों का समय पर निपटारा किया जा सके। इस दौरान ट्रेड्स कमीशन के सदस्य संजीव गुप्ता, भूपिंदर कौशल, सदस्य ट्रेड कमीशन धनोर कीरत सिंह सिहरा, गुरप्रीत सिंह मन्गण, टिकू बंसल, राजेश छाबड़ा, एसडीएम, सहायक कमिश्नर हरजोत कौर तथा नगर निगम और अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

जगराओं और सिधवां बेट पुलिस की बड़ी कार्रवाई- दो अलग-अलग मामलों में हेरोइन सहित दो नशा तस्कर गिरफ्तार



अर्थ प्रकाश/जगराओं 23 जून नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत लुधियाना ग्रामीण पुलिस ने दो अलग-अलग थानों के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से कुल कर उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मामला 1- सिधवां बेट क्षेत्र में गुरु सूचना के आधार पर 10 ग्राम हेरोइन बरामद पहली सफलता सिधवां बेट पुलिस को मिली। मिली जानकारी के अनुसार, चौकी गिहदरविंडी के इंडार्ज एएसआई (ASI) राजवर्तियरपाल सिंह 448 अपनी पुलिस पार्टी और साथी कर्मचारियों के साथ बस अड्डा गिहदरविंडी पर सदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग के संबंध में मौजूद थे।

इसी दौरान एक मुखबिर ने एसआई के पास आकर बेहद गोपनीय तरीके से सूचना दी कि गुरजंट सिंह उर्फ गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी (पुत्र जोगिंदर सिंह), निवासी शोरेवाल (थाना सिधवां बेट, जिला लुधियाना), बड़े स्तर पर हेरोइन बेचने का अवैध घंघा करता है।

कार्रवाई व बरामदगी- मुखबिर की सूचना को पुरखा और विश्वसनीय मानते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और आरोपी गुरजंट सिंह उर्फ गोपी को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 10 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मामला 2- जगराओं के सेम नाला मलक के पास 7.2 ग्राम हेरोइन सहित तस्कर काबू

दूसरी कार्रवाई जगराओं क्षेत्र में अमल में लाई गई, जहां पुलिस ने एक तस्कर को रंगे हाथों दबोचा। एएसआई (ASI) धर्मंदर सिंह 706 अपने साथी पुलिस कर्मचारियों के साथ गश्त और चेकिंग के संबंध में गांव मलक के सेम नाला (सेम ड्रेन) की सीमा में मौजूद थे।

इस दौरान पुलिस पार्टी ने एक सदिग्ध व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली। पकड़े गए आरोपी की पहचान धर्मपाल सिंह (पुत्र महिंदर सिंह), निवासी रामपुरा मोहल्ला, नजदीक शेरपुर लंडा फाटक (जगराओं) के रूप में हुई है।

कार्रवाई व बरामदगी- मौके पर मुस्तेदी दिखाते हुए पुलिस टीम ने आरोपी धर्मपाल सिंह को काबू किया। जब उसकी जामा-तलाशी ली गई, तो उसके पास मौजूद एक प्लास्टिक की लिफाफी में से 7.2 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने नशीले पदार्थ और लिफाफी को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस का बयान- पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पकड़े गए दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे यह हेरोइन कहाँ से खरीद कर लाए थे और इलाके में किन-किन लोगों को सलाई करने जा रहे थे। नशा तस्करों के खिलाफ यह अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

कर्णप्रयाग में निहंगों के साथ मारपीट के मामले में रेजिडेंट कमिश्नर के मार्फत सीएम को ज्ञापन

अर्थ प्रकाश संवाददाता/अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली

दिल्ली: गुरुद्वारा श्री हेमकुंट साहिब से लौट रहे निहंग सिंघों के साथ कर्णप्रयाग में हुई मारपीट और उसके बाद पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के खिलाफ सिख पंथ में भारी रोष व्याप्त है। इस मामले को लेकर शिरोमणि अकाली दल (दिल्ली इकाई) के अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना ने आज बड़ी संख्या में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ उत्तराखंड के रेजिडेंट कमिश्नर अजय मिश्रा से मुलाकात कर मुख्यमंत्री पृथ्वी सिंह धामी के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि कर्णप्रयाग घटना के दौरान निहंग सिंघों ने अपनी आत्मरक्षा के लिए शस्त्रों का उपयोग किया था, लेकिन पुलिस ने पहले मामला आपसी सहमति से सुलझाने का भरोसा



देने के बावजूद उन पर गंभीर धाराएं लगाकर अत्याचार किया और उन्हें जेल भेज दिया। सरना ने पत्र में कहा कि सिख श्रद्धालुओं के साथ कथित पुलिस ज्यादतियों, सार्वजनिक अपमान और धार्मिक भयानाओं को ठेस पहुंचाने वाले व्यवहार की रिपोर्ट सामने आई हैं, जिनकी

रोकना, धार्मिक प्रतीकों के संबंध में पुलिस को निर्देश जारी करना हेमकुंट साहिब यात्रियों के लिए विशेष शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित करना शामिल है।

मुलाकात के दौरान रेजिडेंट कमिश्नर अजय मिश्रा ने प्रतिनिधिमंडल की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए आश्वासन दिया कि यह मामला मुख्यमंत्री और डीजीपी के संज्ञान में लाया जाएगा तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कर निहंग सिंघों को न्याय दिलाने के प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर सरदार मंजीत सिंह जीके, सरदार परमजीत सिंह राणा, सरदार परमजीत सिंह खुराना, सरदार तजिंदर सिंह गोपा सहित बड़ी संख्या में पार्टी सदस्य और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त एक्शन ले रहे एमसीडी अधिकारियों को धमका रहे भाजपा पार्षद

अर्थ प्रकाश संवाददाता/अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली

दिल्ली: शाहदरा साउथ जोन के भवन निर्माण विभाग में तैनात जूनियर इंजीनियर (जेई) रोहित नागपाल के साथ भाजपा पार्षद मीनाक्षी शर्मा द्वारा कथित अभद्र व्यवहार और दबाव बनाने की घटना को एमसीडी के नेता प्रिनपक्ष अंकुश नारंग ने बेहद गंभीर बताया है। उन्होंने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यदि अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई करने वाले अधिकारियों को राजनीतिक दबाव, धमकियों और हस्तक्षेप का सामना करना पड़ेगा, तो दिल्ली में कानून का राज कैसे स्थापित होगा? भाजपा एक तरफ अवैध निर्माणों पर कार्रवाई के बड़े-बड़े दावे

करती है, वहीं दूसरी तरफ उसके जनप्रतिनिधियों पर कार्रवाई कर रहे अधिकारियों को डराने और दबाव बनाने के आरोप लगा रहे हैं। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अवैध निर्माणों के कारण लगातार हादसे हो रहे हैं। कई लोगों की जान जा चुकी है और अनेक परिवार प्रभावित हुए हैं। ऐसे समय में आवश्यकता है कि अधिकारियों को निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से काम करने दिया जाए, न कि उन्हें राजनीतिक दबाव में लाने का प्रयास किया जाए। भाजपा शासित एमसीडी में भ्रष्टाचार और अवैध निर्माणों को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। यदि कोई अधिकारी नियमों के अनुसार कार्रवाई करता है और उसे ही

प्रताड़ित किया जाता है, तो यह संदेश जाता है कि भाजपा अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई नहीं बल्कि उन्हें संरक्षण देना चाहती है। नेता प्रतिपक्ष ने निगम आयुक्त से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किसी जनप्रतिनिधि द्वारा अपने पद का दुरुपयोग कर अधिकारी पर दबाव बनाने का प्रयास किया गया है तो उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। साथ ही एमसीडी प्रशासन यह सुनिश्चित करे कि सभी अधिकारी बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के कानून और नियमों के अनुसार अपना कार्य कर सकें। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली में पारदर्शी, जवाबदेह और भ्रष्टाचार मुक्त



प्रशासन के लिए संघर्ष जारी रखेंगे तथा अवैध निर्माणों को संरक्षण देने वाली किसी भी राजनीति का विरोध करती रहेंगे।

‘पंजाब में बनेगी भाजपा सरकार, कार्यकर्ता बूथ स्तर पर ताकत झोंकें’ : हलवारा एयरपोर्ट पर भाजपा हाईकमान का निर्देश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

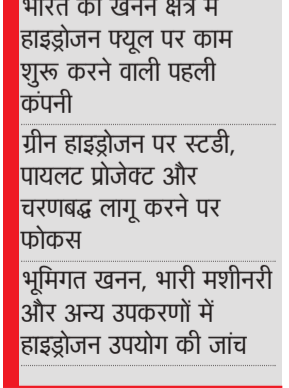
जगराओं 22 जून 'पंजाब का तूफानी दौरा पूरा करने के बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व और केंद्रीय मंत्रियों का काफिलला हलवारा एयरपोर्ट पहुंचा। इस मौके पर पार्टी हाईकमान ने लुधियाना और जगराओं के जिला अध्यक्ष डॉ. राजिंदर शर्मा समेत तमाम वरिष्ठ नेताओं को बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने के कड़े निर्देश दिए। इस विशेष बैठक के दौरान राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सदस्य तरुण च्यु, केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिद्दु और पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेता केवल सिंह बिल्लें समेत पार्टी हाईकमान के कई दिग्गज नेता मौजूद रहे।

केंद्रीय नेतृत्व को भरोसा दिताने हुए जिला अध्यक्ष डॉ. राजिंदर शर्मा ने कहा कि वे अपनी पूरी टीम के साथ लगे लगे और दृढ़ संकल्प से काम करेंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जिले के हर छेदे-बड़े कार्यकर्ता को पूरा मान-सम्मान दिया जाएगा और पार्टी को जमीनी स्तर पर अग्रगण्य बनाया जाएगा। इस दौरान वरिष्ठ नेता केवल सिंह बिल्लें ने जगराओं क्षेत्र के दौरान मिले अभूतपूर्व जनसमर्थन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह कार्यकर्ताओं के विशाल



काफिले ने पार्टी का स्वागत किया है, उससे साफ है कि पंजाब की जनता अब भाजपा की ओर देख रही है। इस रणनीतिक बैठक में जिला महासचिव सुमित बांग्र, लखविंदर सिंह सरपा, जगतरां वरंग, बाल किरान गर्ग और मनोज गोयल समेत कई प्रमुख पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

हिंदुस्तान जिंक ने हाइड्रोजन फ्यूल समाधान के लिए एडवांटेक और एरो इंगल के साथ किया एमओयू



अर्थ प्रकाश संवाददाता

उदयपुर, 22 जून 2026। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने एडवांटेक एसोसिएट्स एलएलपी और एरो इंगल

ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एमओयू किया है। इस समझौते के तहत कंपनी अपने ऑपरेशन्स में ग्रीन हाइड्रोजन और अन्य क्लीन एनर्जी के उपयोग की संभावनाएं तलाशेंगी। इस पहल का उद्देश्य नई तकनीकों का मूल्यांकन करना है, जिससे खनन कार्य को कम कार्बन और भविष्य के लिए तैयार बनाया जा सके। हिंदुस्तान जिंक खास तौर पर भूमिगत खनन में हाइड्रोजन फ्यूल इस्तेमाल करने वाली भारत की पहली कंपनी बनने की दिशा में काम कर रही है। यह कदम कंपनी के 2050 या उससे पहले नेट जीरो बनने के लक्ष्य का हिस्सा है। खनन और भारी उद्योगों में उत्सर्जन कम करना मुश्किल होता है, ऐसे में हाइड्रोजन जैसे स्वच्छ ईंधन महत्वपूर्ण समाधान बनकर

सामने आ रहे हैं। हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा कि, 'हम सस्टेनेबल माइनिंग के लिए नई तकनीकों पर काम कर रहे हैं। हाइड्रोजन से भारी मशीनों के उत्सर्जन कम होंगे और क्लीन एनर्जी का रास्ता खुलेगा। यह साझेदारी हमें भविष्य के लिए तैयार बनाएगी।' इस साझेदारी के तहत ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन, स्टोरेज, सप्लाई सिस्टम और हाइड्रोजन से चलने वाली मशीनों की जांच की जाएगी। साथ ही एच2 एण्ड आईस और फ्यूल सेल तकनीक के इस्तेमाल की भी संभावना देखी जाएगी। यह प्रोजेक्ट चरणों में पूरा होगा। पहले तकनीकी, सुरक्षा, पर्यावरण और लागत से जुड़ी स्टडी होंगी। उसके बाद इसे बड़े स्तर पर लागू किया जा सकता है,



जिसमें भारी मशीनरी, वाहन, जेनेरेटर और अन्य उपकरण शामिल होंगे। यह पहल हिंदुस्तान जिंक की ईएसजी रणनीति के अनुरूप है, जिसमें साफ ऊर्जा और जिम्मेदार संसाधन प्रबंधन

पर जोर दिया जाता है। कंपनी पहले ही अपनी ऊर्जा जरूरतों में करीब 18 प्रतिशत हिस्सा नवीकरणीय स्रोतों से ले रही है और लगातार स्वच्छ तकनीकों की दिशा में आगे बढ़ रही है। हिंदुस्तान जिंक, वेदांता समूह की कंपनी है, जिसे लगातार तीसरे साल एएसएण्डबी ग्लोबल असेसमेंट 2025 में दुनिया की सबसे सस्टेनेबल मेटल और माइनिंग कंपनी का दर्जा मिला है।

भारतीय क्रिकेट टीम आयरलैंड और इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल टूर के लिए रवाना, सूर्यवंशी के डेब्यू पर रहेगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम 26 जून से शुरू होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आयरलैंड और इंग्लैंड के लिए रवाना हो गई है। 'मेन इन ब्लू' को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20आई और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20आई और तीन ODI खेलने हैं, जो 26 जून से शुरू होंगे।

इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद आयरलैंड में होने वाले टी20आई मैच भारत के लिए पहली सीरीज होगी। भारत 26 और 28 जून को डबलिन में दो टी20आई खेलेगा। टी20आई टीम की कप्तान श्रेयस के स्थान में होने से भारत के लिए सबसे छोटे फॉर्मेट में एक नए अध्याय की शुरुआत हो



रही है, खासकर इसलिए क्योंकि 2028 में न्यूजीलैंड में अगला मेन्स टी20 वर्ल्ड कप होने लांस एंजिलस ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया और

इस टूरिंग टीम की सबसे खास बात युवा बैटिंग सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी हैं, जो 15 साल और 71 दिन की उम्र में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए चुने जाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने और उन्होंने सचिन तेंदुलकर का 36 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इस सीजन में इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद अनकेड तेज गेंदबाज प्रियस यादव को भी पहली बार सीनियर ३२० टीम में बुलाया गया है।

शुरुआत में सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को टीम में चुना गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया गया। मार्च में मेनिसक्रस टियर सजरी के बाद रिहैब से गुजर रहे सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्षित राणा भी टीम में वापस आ गए हैं, साथ ही

लेग-स्पिनर रवि बिश्रॉई भी।

आयरलैंड टूर के बाद यही टीम दक्षिण-पश्चिम की ओर एक छोटा टूर करेगी और 1 से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज खेलेगी, जिसके बाद 14 से 19 जुलाई तक तीन वनडे खेले जाएंगे। वनडे टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे, जबकि श्रेयस उनके डिप्टी होंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज में स्टावर बल्लेबाज विराट कोहली की वापसी होगी, जो IPL 2026 के दौरान लगी हैमरिस्टिंग चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में हुई वनडे सीरीज में नहीं खेल पाए थे। हालांकि BCCI ने कहा है कि उनका खेलना फिटनेस क्लैरिफिकेशन पर निर्भर करेगा।

चिरंत विश्वनाथ जापान के मोटेगी में रेस जीतने वाले पहले भारतीय बने



मुंबई (एजेंसी)। भारत के युवा रेसर चिरंत विश्वनाथ ने जापान के मोटेगी रेसट्रेक में जीत के साथ ही एक नया रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही वह इस ट्रेक पर जीत हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। यह उपलब्धि उन्होंने एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैंपियनशिप के तीसरे दौर के दौरान टीवीएस एशिया वन-मेक चैंपियनशिप क्वेटेरी में दर्ज की है।

चिरंत ने टीवीएस अपाचे आरआर 310 से रेस-1 में शानदार प्रदर्शन कर सफलता हासिल की है। आधिकारिक अभ्यास सत्र में सबसे तेज लेप्स दर्ज करने के बाद, उन्होंने क्वालिफाइंग में चौथा स्थान हासिल किया। रेस की शुरुआत में ही उन्होंने बढ़त हासिल कर

थी। आठ लेप की इस रोमांचक रेस के पांचवें लेप में एक अचानक घड़ना से हुई टकरा के कारण वह पांचवें स्थान पर खिसक गए पर चिरंत ने हार नहीं मानते हुए तेजी से वापसी करते हुए अंतिम लेप में तीन प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ कर अपनी पहली चैंपियनशिप जीती।

रेस-1 की इस आसाधारण जीत के बाद, चिरंत ने रेस-2 में भी अपनी गति बनाए रखी। वह अंतिम लेप तक वह दूसरे स्थान पर थे पर इस बार भी एक टकरा के कारण वह चौथे स्थान पर खिसक गये। रेस-1 में मिली जीत और रेस-2 में चौथे स्थान पर रहने के कारण चिरंत को चैंपियनशिप स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल करने में मदद मिली है।

विराट ने इंग्लैंड दौरे के लिए फिटनेस टेस्ट पास किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली फिटनेस टेस्ट में पास हो गये हैं। ऐसे में अब विराट का इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज खेलने का रास्ता साफ हो गया है। विराट को टीम में शामिल किया गया था पर उनके खेलने का फैसला फिटनेस जांच पर आधारित था। प्राप्त जानकारी के अनुसार विराट को बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के 'सेंटर ऑफ एक्सिलेंस' (सीओई) में फिटनेस जांच में सफल करार दिया गया है। इससे अब विराट एकदिवसीय सीरीज खेल सकेंगे। अब उनका लक्ष्य इस सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन कर साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश करना रहेगा।



सीरीज से भी बाहर थे। विराट के फिट होने से उनके प्रशंसकों को भी राहत मिली है। अब प्रशंसकों को लंबे इंतजार के बाद विराट को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने अंतिम बार चैम्पियंस ट्रॉफी में खेला था।

एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंशान सुंदर, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अशदीप सिंह, गुरनूर बरार।

हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने की तैयारी में, इन दो टीमों से मिला ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने की तैयारी में हैं और पांच बार की IPL चैंपियन टीम को उनके संभावित ट्रेड के लिए कम से कम दो प्रस्ताव मिले हैं जिसमें एक शाहरुख खान की को-ओन्डर राजस्थान रॉयल्स है।

इस मामले की जानकारी रखने वाले IPL के एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर PTI को बताया कि KKR के टॉप मैनेजमेंट और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों के अदला-बदली (स्वैप) को लेकर कई बार बातचीत हुई है। मुंबई इंडियंस में पांड्या की वापसी का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है और उनकी कप्तानी में टीम सिर्फ एक बार प्ले-ऑफ में जगह बना पाई है।

सूत्र के मुताबिक, 'अजिंक्य रहाणे KKR के लिए हमेशा से एक कामचलाऊ व्यवस्था थे और इस सीजन के बाद उन्हें रिलीज किया जाना तय था। KKR के बड़े



अधिकारियों ने पिछले सीजन के आखिर में MI के मालिकों से संपर्क किया था, लेकिन चूकि रिटायर्स की सालाना AGM (आम बैठक) होने वाली थी, इसलिए उस समय IPL ट्रेड उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता नहीं थी।

सूत्र ने बताया, 'हालांकि, पता चला है कि KKR ने फिर से MI के बड़े अधिकारियों से संपर्क किया है और इस बारे में कुछ दौर की बातचीत भी

संबंध में किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के साथ व्यक्तिगत रूप से कोई बातचीत नहीं कर सकता है। नियम के अनुसार बातचीत केवल फ्रेंचाइजी-टू-फ्रेंचाइजी ही हो सकती है, लेकिन यह भी कहा गया है कि खिलाड़ी की सहमति के बिना ट्रेड नहीं हो सकता। अगर खिलाड़ी सहमत नहीं देता है, तो उसे वापस ऑक्शन पूल में भेजना होगा।

MI को मिला दूसरा ऑफर यशस्वी जायसवाल और पांड्या के बीच ट्रेड-ऑफ का बताया जा रहा है, लेकिन यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि बातचीत किसी एडवांस स्टेज तक पहुंची है या नहीं। हालांकि रॉयल्स असम के स्टार रियान पराग को लंबे समय के कप्तान के तौर पर देख रहे हैं, इसलिए पांड्या के लिए लीडरशिप रोल पाना मुश्किल होगा। अगर पांड्या का ट्रांसफर होता है, तो राजस्थान रॉयल्स की तुलना में चयन इस समय कहीं ज्यादा बेहतर विकल्प लग रहा है।

नितीश आयरलैंड दौरे से बाहर हुए, सूर्याश को मिल सकता है अवसर



मुंबई। भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी मांसपेशियां में खिंचाव के कारण आयरलैंड दौरे से बाहर हो गये हैं। नितीश के बाएं पैर की जांच की मांसपेशियां (क्राइसिपेस) में चोट आई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में भी उनका खेलना संदिग्ध है। नितीश ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के बाहर होने से उम्मीद जतायी जा रही थी कि नितीश उनकी कमी पूरी कर देंगे पर अब वह भी बाहर हो गये हैं। जिससे भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयीं हैं।

अब देखा जा रहा है कि चयनसमितिकि किस खिलाड़ी को नितीश की जगह पर अवसर देती है। भारतीय टीम का आयरलैंड दौरे 26 जून से शुरू हो रहा है। इस सीरीज का पहला मुकाबला 26 जून को है, जबकि दूसरा मैच 28 जून को खेला जाएगा। आयरलैंड दौरे के बाद टीम इंडिया इंग्लैंड रवाना होगी, जहां उसे टी20 के साथ ही एकदिवसीय सीरीज भी खेलनी है। अटकलें हैं कि अब आक्रामक ऑलराउंडर सूर्याश शेट्टी को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। सूर्याश हाल में भारत ए टीम के साथ ही श्रीलंका दौरे पर भी गये थे। श्रीलंका ए के खिलाफ सुपर ओवर वाले मैच में सूर्याश ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 72 रन बनाए थे। वह इंडियन प्रीमियर लीग में अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स के लिए खेलते हैं। पिछले सत्र में शेट्टी ने पंजाब की तरफ से 7 मैच में खेलते हुए 158 रन बनाए थे। गेंदबाजी का उन्हें अवसर नहीं मिला था। इधर क्रिकेट में सूर्याश मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हैं।

मेसी, एम्बापे और हालैंड के बीच 'गोल्डन' बूट की टक्कर

फिलाडेल्फिया (एजेंसी)। लियोनेल मेसी, क्रिस्तियन एम्बापे और एर्लिंग हालैंड तीनों ने दो-दो गोल किए जिससे वर्ल्ड कप गोल्डन बूट की दौड़ फुटबॉल के तीन सबसे बड़े सितारों के बीच मुकाबले में बदल गई। अपने 39वें जन्मदिन से दो दिन पहले, मेसी ने डलास स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 2-0 की जीत में दोनो गोल किए, जिससे उनके करियर के वर्ल्डकप गोल की संख्या रिकॉर्ड 18 हो गई।

अर्जेंटीना के कप्तान अब दो मैचों में पांच गोल के साथ टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वालों की सूची में सबसे आगे हैं। कुछ घंटों बाद फिलाडेल्फिया में, एम्बापे ने भी ऐसा ही किया और दो गोल किए, जिससे फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराया, जबकि हाफटाइम के दौरान लगभग दो घंटे तक तुफान के कारण खेल रुका रहा। अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे फ्रांस



के कप्तान ने तीन टूर्नामेंटों में कुल 16 वर्ल्डकप गोल कर लिए हैं और पूर्व रिकॉर्ड-धारक मियोस्ताव क्लोज को बराबरी कर ली है। न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में हालैंड ने दो गोल किए और नॉर्वे ने सेमिफाइनल को 3-2 से हराकर राउंड ऑफ 32 में जगह बखली की। अपने

पहले वर्ल्डकप में खेल रहे 25 वर्षीय खिलाड़ी के नाम अब दो मैचों में चार गोल हैं, वे गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बापे के बराबर और मेसी से एक गोल पीछे हैं। हालांकि, इराक पर फ्रांस की जीत के बाद एम्बापे ने मेसी के साथ तुलना को ज्यादा महत्व नहीं दिया। एम्बापे ने कहा, 'लियो

हमेशा गोल करते हैं और हमेशा करते रहेंगे। इसलिए मैं यह नहीं देख रहा कि वह क्या कर रहे हैं। मैं बस अपनी टीम की मदद करने पर ध्यान दे रहा हूँ।' फ्रांस के कोच डिडियर डेसचैम्प ने कहा कि उनके कप्तान के पास रिकॉर्ड बुक में नया इतिहास रचने का पूरा मौका है। एम्बापे के पूर्व रिकॉर्ड-धारक मियोस्ताव क्लोज के 16 वर्ल्डकप गोल के रिकॉर्ड की बराबरी करने के बाद डेसचैम्प ने कहा, 'रिकॉर्ड तोड़े जाने के लिए ही होते हैं।' हालैंड इस दौड़ में एक असली दावेदार के तौर पर उभरे हैं। नॉर्वे ने आखिरी बार 1998 में वर्ल्डकप में हिस्सा लिया था, जो हालैंड के जन्म से दो साल पहले की बात है, इसलिए यह इस स्टाइल का पहला वर्ल्डकप अभियान है। अभी और भी मैच खेले जाने बाकी हैं, इसलिए गोल्डन बूट की लड़ाई अभी भी खुली हुई है, जिसमें मेसी, एम्बापे और हालैंड तीनों ही दौड़ में शामिल हैं।

मिताली का सुझाव: हरमनप्रीत नंबर चार पर, जेमिमा नंबर पांच पर खेलें

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने टीम के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव का सुझाव दिया है। मिताली का मानना है कि कप्तान हरमनप्रीत को नंबर चार पर बल्लेबाजी करनी चाहिए, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स को नंबर पांच पर उतारा जाना चाहिए। मिताली ने ये बात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार को देखते हुए कही है। इससे सेमीफाइनल में पहुंचने को भारतीय टीम की उम्मीदों को झटका लगा है, क्योंकि अब उन्हें अपने शेष सभी मैच जीतने होंगे।

मिताली ने कहा कि अब भारतीय टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के

खिलाफ यह मैच भारत के जीतने लायक था, लेकिन अब आगे का रास्ता मुश्किल है। बल्लेबाजी क्रम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, हमने हरमनप्रीत को नंबर 5 पर इतनी देर से बल्लेबाजी करते हुए बहुत कम देखा है। इसलिए, शायद वह नंबर चार पर और जेमिमा नंबर पांच पर आ सकती हैं। उन्होंने जेमिमा को नंबर पांच पर भेजने को लेकर कहा, जेमिमा पहले भी नंबर पांच पर खेल चुकी हैं और वह उन्होंने काफी रन बनाए हैं। जब वह बल्लेबाजी के लिए आएं, तो संभावना है कि उन्हें स्पिनरों का सामना करना पड़े, जो उनकी ताकत है। वह अपने पैरों का इस्तेमाल कर सकती हैं और स्कूप और स्वीप शाट अच्छे से खेलती हैं। मिताली का मानना है कि इस बदलाव से जेमिमा का

आत्मविश्वास बढ़ सकता है, वह लय में वापस आ सकती हैं और वह मोमेंट देवारा हासिल कर सकती हैं, खासकर अगर हरमनप्रीत उनसे पहले बल्लेबाजी करें। मिताली ने बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरानी की अनुशासित गेंदबाजी को इस मैच में भारत के लिए सबसे सकारात्मक पहलू बताया। चरानी ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को दबाव में ला दिया था। और बाद में एक और महत्वपूर्ण विकेट हासिल कर अपना शानदार स्पेल समाप्त किया। पूर्व कप्तान ने चरानी की तारीफ करते हुए कहा, श्री चरानी जल्दी सीखने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने इंग्लिश कंडीशंस में डेब्यू किया था, इसलिए उन्हें वहां के हालात की मानना है कि इस बदलाव से जेमिमा का



ज्यादा टर्न न मिलने के बावजूद, चरानी ने लगातार स्ट्रॉक पर अटक किया, पेस और लेंथ में बदलाव किए, और अपनी पसंद के हिसाब से फ्रीलड सेट की। चरानी के दो बड़े विकेट ने भारत को खेल में वापस ला दिया था, और दूसरे स्पेल में भी उनकी लाइन बहुत सटीक थी।

मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर नॉकआउट में जगह बनायी

डलास (एजेंसी)। कप्तान लियोनेल मेसी के शानदार प्रदर्शन से मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर लगातार छठी बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है। इस धमाकेदार जीत के दौरान ही मेसी ने विश्व कप इतिहास में सबसे अधिक गोल करने का नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है।

मेसी ने हफ-टू-टू मैच में ठीक पहले गोल करने के साथ ही ही अपना 17वां गोल कर जर्मनी के दिग्गज मियोस्ताव क्लोज को पीछे छोड़ा। इसके साथ ही, वह जस्ट फोटेन और जाइरजिनो के

बाद लगातार 6 विश्व कप मैचों में गोल करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी भी बन गए हैं। दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी के लिए काफी प्रयास किये पर अर्जेंटीना के डिफेंडरों ने उसे कोई अवसर नहीं दिया। मैच के अंतिम क्षणों में मेसी ने एक और गोल कर टूर्नामेंट का अपना 5वां और विश्व कप करियर का 18वां गोल दागा।

इस मैच में सिर्फ मेसी के साथ ही अर्जेंटीना की पूरी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा। ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम का प्रदर्शन रणनीति बनाई थी, लेकिन टीम ने एकजुट होकर इसका सामना

किया। क्रिस्टियन रोमेरो ने घुटने की समस्या के कारण मैदान छोड़ने से पहले डिफेंस को मजबूती दी, जिसके बाद निकोलस ओटोमंडी ने कप्तान संभाली। रोड्रिगो डी पॉल, एलेक्सिस मैक एलिस्टर और एंजो फर्नांडीज ने मिडफील्ड को पूरी तरह नियंत्रित रखा, जिससे अर्जेंटीना की लय बनी रही। दो मैचों में दो जीत और 6 अंकों के साथ ही अर्जेंटीना का मनोबल बढ़ा हुआ है और टीम अब 27 जून को ग्रुप जे के अपने अंतिम मैच में जॉर्डन से मुकाबले के लिए उतरगी।



टीम इंडिया की जर्सी देखकर भावुक हुए वैभव



मुंबई। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम की जर्सी देखकर भावुक हो गये। वैभव को आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने टीम के मंगलवार को आयरलैंड दौरे के लिए रवाना होने से पहले का एक वीडियो जारी किया है। इसमें वैभव को राष्ट्रीय टीम की जर्सी प्राप्त करते हुए देखा गया। इसे देखकर वह खुशी से उछल पड़े और उनके आंसू निकल गये। वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करते 3 नंबर की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेंगे। फिट बॉक्स खोलते ही वैभव ने सबसे पहले अपनी जर्सी देखी। इस पल को बयां करते हुए उनकी आंखें भर आईं और उन्होंने कहा, 'मेरे पास इसके बारे में बताने के लिए शब्द नहीं हैं। जिस चीज के लिए मैंने बचपन से बल्ल थापा था, आज मेरा वो सपना पूरा हुआ। आज सब कुछ सच हो गया। टी-शर्ट देखते ही मैं इतना खुश हो गया कि मेरे लिए ये सपने का सच होने जैसा था। मैं उस समय प्रतिक्रिया भी नहीं दे पा रहा था।' यह दृश्य बताता है कि एक खिलाड़ी के लिए देश का प्रतिनिधित्व करने का क्या महत्व होता है, और कैसे यह पल कई वर्ष की कड़ी मेहनत और संघर्ष का फल होता है। आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम दो टी20 मैच खेलेगी। इसमें वैभव पहली बार भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। यह उनके करियर का एक बड़ा पड़ाव है। बीसीसीआई ने वैभव की कम उम्र को देखते हुए उनके माता-पिता को भी इस दौरे पर उनके साथ जाने की अनुमति दी है। उनके पिता पहले ही आयरलैंड पहुंच गये हैं। भारत और आयरलैंड के बीच पहला टी20 मैच 26 जून को खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 28 जून को होगा। यह सीरीज युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी क्षमता साबित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी।

सैमसन ने धोनी की तुलना फेडरर और विराट की अल्कारेज से की



मुंबई। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजु सैमसन पर आजकल विंबलडन टेनिस का रंग चढ़ा हुआ है। इसी को देखते हुए सैमसन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की प्रशंसा करते हुए उनकी तुलना स्विटजरलैंड के महान टेनिस स्टार रोजर फेडरर से की है। सैमसन ने जहां धोनी की तुलना टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर से जबकि विराट कोहली के आक्रामक अंदाज की तुलना स्पेन के कार्लोस अल्कारेज से की है। सैमसन ने कहा, क्रिकेट के रोजर फेडरर धोनी ही हो सकते हैं। जिस प्रकार से फेडरर शांत अंदाज में खेलते हैं। उसी प्रकार से धोनी भी अपने काम को बहुत शांत और संयमित तरीके से करते हैं। वहीं दूसरी ओर अल्कारेज बहुत आक्रामक अंदाज में खेलते हैं। जिस प्रकार से विराट कोहली खेलते हैं। इसलिए संजु ने विराट की तुलना अल्कारेज से की है। सैमसन टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद से ही छाये हुए हैं। उन्होंने इसके बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। अब उनकी नजरें इंग्लैंड दौरे पर हैं। सैमसन ने टी20 महिला विश्वकप में भारतीय टीम के अच्छे प्रदर्शन की भी तारीफ की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से महिला टीम ने एकदिवसीय विश्वकप जीता उसी प्रकार वह टी20 खिताब भी जीतेगी।

अलीगंज अग्निकांड: 2016 में निरस्त किया गया था बिल्डिंग के खिलाफ ध्वस्तीकरण का आदेश

अर्थ प्रकाश/विजय कुमार निगम

लखनऊ। लखनऊ के अलीगंज में हुए भीषण अग्निकांड के बाद अब भवन से जुड़े मुद्दे दस्तावेज और प्राधिकरण की कार्यवाही गंभीर सवाल के घेरे में हैं। सोमवार को जिस भवन में आग लगने की यह दुःखद घटना हुई, उसके खिलाफ वर्ष 2016 में अवैध निर्माण को लेकर ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया गया था, लेकिन दो माह से कम समय में ही उस आदेश को निरस्त भी कर दिया गया।



के नाम बेच दिया। 7 अगस्त 2014 को लखनऊ विकास प्राधिकरण ने वीरेंद्र व सुरेंद्र के पक्ष में नामांतरण की प्रक्रिया पूरी की। करीब 1992 वर्गफीट क्षेत्रफल वाले इस भवन का मानचित्र 20 अगस्त 2014 को स्वतः मानचित्र योजना के तहत आवस्यीय उपयोग के लिए स्वीकृत किया गया था।

हालांकि, बाद में भवन में अनधिकृत निर्माण की बात सामने

आई। इसके बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण ने वीरेंद्र प्रताप शुक्ला के खिलाफ मुकदमा संख्या-08/2016 दर्ज कराया। जांच के बाद विहित प्राधिकारी ने 10 मई 2016 को अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध ध्वस्तीकरण आदेश पारित कर दिया लेकिन ध्वस्तीकरण आदेश जारी होने के दो माह के अंदर ही 5 जुलाई 2016 को इस आदेश को निरस्त भी कर दिया गया।

अलीगंज योजना के सेक्टर-डी स्थित भवन संख्या एमए/102/डी मूल रूप से 11 जुलाई 1980 को लॉटेरी प्रणाली के तहत विजय कुमार पुत्र रामेश्वर सहाय को किराया-क़य पद्धति पर आवंटित किया गया था। 4 नवंबर 1980 को अनुबंध निष्पादित होने के बाद भवन का कब्जा आवंटि को सौंप दिया गया। 2005 में यह भवन विक्रय विलेख के जरिए विजय कुमार और उनकी पत्नी उषा के नाम दर्ज हुआ। वहीं 19 जनवरी 2013 को इन लोगों ने यह भवन वीरेंद्र प्रताप शुक्ला और सुरेंद्र प्रताप शुक्ला

मातृभाषा पंजाबी, गुरसिखी और कुशल युवा ही कौम की असली ताकत: हरमीत सिंह कालका



अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित गुरुद्वारा श्री रकाबगंज साहिब में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सहयोग से अखिल भारतीय सिख शिकलीगर समाज का राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका ने मातृभाषा पंजाबी, गुरसिखी जीवन, कौमी एकता और कौशल आधारित शिक्षा के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि गुरु साहिबानों द्वारा दी गई विरासत, भाषा, सिद्धांतों और शस्त्र विद्या को अपनाना आज समय की आवश्यकता है। उन्होंने सिख समाज से एकजुट होकर अपनी सामूहिक शक्ति को मजबूत करने का आह्वान किया। कालका ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों से शिकलीगर समाज के प्रतिनिधियों का एक मंच पर एकत्र

होना प्रेरणादायक और ऐतिहासिक कदम है।

उन्होंने संगतों से अपने बच्चों को गुरसिख, अच्छे चरित्र वाला और आधुनिक तकनीकी कौशल से युक्त बनाने की अपील की। उनका कहना था कि स्किल डेवलपमेंट और तकनीकी शिक्षा युवाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाएगी।

मानसून तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे एसडीएम बराड़ा, बाढ़ सुरक्षा कार्यों का किया निरीक्षण



अर्थ प्रकाश/सचिन मलिक

मुलाना। मानसून सीजन के महेनजर प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा के लिए एसडीएम बराड़ा सतीन्द्र सिवाच ने मंगलवार को क्षेत्र के गांव तोल, गोला गोली, तदवाला तथा गोकलगाढ़ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ से बचाव एवं बरसाती पानी की निकासी से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण कर उनकी प्रगति का जायजा लिया।

एसडीएम ने गांव गोकलगाढ़ में निर्माणाधीन बांध का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को कार्य को निश्चित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान किसी भी प्रकार की पेशानी से बचने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध

समय रहते पूरे कर लिए जाएं। दौरे के दौरान एसडीएम ने विभिन्न स्थानों पर पुलियों, पुलों तथा बरसाती पानी की निकासी की व्यवस्थाओं की जांच की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नालों और जल निकासी मार्गों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए ताकि वर्षा के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो।

उन्होंने विशेष रूप से बाढ़ प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे स्थानों पर सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी रहें। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी भी उनके साथ उपस्थित रहे।

ज्येष्ठ माह के अंतिम मंगलवार में बजरंगबली की आराधना में लीन हुई संगम नगरी

अर्थ प्रकाश/टी.डी. पाण्डेय

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में ज्येष्ठ माह के अंतिम बड़े मंगल पर संगम नगरी बजरंगबली की भक्ति में लीन रही। शहर के प्रमुख हनुमान मंदिरों में भोर से ही दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। संगम तट स्थित सुप्रसिद्ध श्री बड़े हनुमान मंदिर लेटे हनुमान जी में विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित

किए गए। प्रातःकाल महंत बलबीर गिरी ने विधि-विधान से पंच द्रव्य से बजरंगबली का अभिषेक और स्नान कराया। इसके उपरांत लगभग 5.5 किंटल फलों से भगवान का दिव्य और आकर्षक श्रृंगार किया गया। इस श्रृंगार में डेढ़ किंटल आम, ढाई किंटल सेब, एक किंटल संतरा, एक किंटल अनार तथा पचास दर्जन केले सहित विभिन्न प्रकार के फलों का उपयोग हुआ।

मुख्यमंत्री ने दी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि



अर्थ प्रकाश/विजय कुमार निगम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रखर राष्ट्रवादी व जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल परिसर में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, बन्देश्वर सिंह औरतख, विधायक नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, लालजी प्रसाद निर्मल, अवनीश सिंह, भाजपा के महानगर

अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी, भाजपा नेता नीरज सिंह आदि ने भी राष्ट्रनायक डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित किया। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एम्स' पर पोस्ट कर भी डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा- 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान, नहीं चलेगे' के उद्धोषक, प्रखर राष्ट्रवादी और जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। भारत की एकता व अखंडता के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान प्रत्येक देशवासी के हृदय में सदैव राष्ट्रवाद की लौ प्रज्वलित करता रहेगा।

सही मतदाता सूची बनाने में बी.एल.ओ. का सहयोग करें जागरूक नागरिक: अशोक कुमार मैहता

एस.आई.आर. प्रक्रिया में अपनी वोट के साथ-साथ हर जायज वोट का सत्यापन और हर गलत वोट कटावार्

अर्थ प्रकाश/सुशील कुमार

नारायणगढ़। हरियाणा के पूर्व राज्य सूचना आयुक्त एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक कुमार मैहता ने कहा कि एस.आई.आर. (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया के दौरान जागरूक मतदाताओं का दायित्व केवल अपनी वोट तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें सही मतदाता सूची तैयार करने में बी.एल.ओ. का सहयोग करना चाहिए, जिसमें उनकी अपनी वोट के साथ-साथ हर जायज वोट का सत्यापन और हर गलत वोट का कटना सुनिश्चित हो। हर मतदाता को इस प्रक्रिया में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

मंगलवार को यहां जारी विज्ञप्ति में अशोक मैहता ने कहा कि हमारा भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर वोट का अपना विशेष महत्व है, इसलिए मतदाता सूची केवल एक प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल आधारशिला है। यदि मतदाता सूची में त्रुटियां हों, पात्र मतदाताओं के नाम छूट जाएं अथवा



गलत विवरण दर्ज हों तो इसका सीधा प्रभाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर पड़ता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व बनता है कि वह अपने मतदाता विवरण की जांच कर उसे सही करवाए।

अशोक मैहता ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाए जा रहे इस विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) अभियान के तहत इन दिनों वृथ लेवल अधिकारी (बी.एल.ओ.) हरियाणाभर में घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन कर रहे हैं तथा गणना प्रपत्र भरवा रहे हैं। हर नागरिक को चाहिए कि वह इस प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग करे और अपने परिवार से संबंधित हर आवश्यक जानकारी सही रूप में उपलब्ध कराए, ताकि मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि शेष न रहे। हरियाणा के पूर्व राज्य सूचना

जीरकपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई-

410 ग्राम हेरोइन और 2.20 लाख ड्रग मनी समेत आरोपी गिरफ्तार



बलटाना में वेलवेट क्लार्क होटल के पास नाकाबंदी दौरान पकड़ा गया आरोपी, इलेक्ट्रॉनिक कंडा भी बरामद; पहले भी दर्ज है कई मामले

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बाबा

जीरकपुर। नशे के खिलाफ चलाई जा रही विशेष मुहिम के तहत जीरकपुर थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने बलटाना क्षेत्र में स्थित वेलवेट क्लार्क होटल के नजदीक नाकाबंदी के दौरान एक संधिध युवक को गिरफ्तार किया है। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ और मोटी रकम बरामद की गई है। पकड़े गए आरोपी की पहचान अशदीप सिंह के रूप में हुई है, जो मूल रूप से श्री मुकेश साहिब का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। जानकारी देते हुए जीरकपुर थाना के एसएचओ सतिंदर सिंह ने बताया कि इलाके में कानून व्यवस्था बनाए रखने और नशा तस्करो पर नकेल कसने के लिए पुलिस पार्टी द्वारा लगातार गश्त

की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने बलटाना एरिया में वेलवेट क्लार्क इन होटल के पास नाकाबंदी की हुई थी। नाके के दौरान पुलिस कर्मियों ने देखा कि एक युवक पैदल आ रहा है, जो पुलिस टीम को सामने देखकर घबरा गया और पीछे मुड़ने का प्रयास करने लगा। युवक की संधिध हरकतों को देखते हुए मुस्तैद पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर उसे तुरंत रोक लिया और पूछताछ शुरू की। एसएचओ सतिंदर सिंह ने आगे बताया कि जब पुलिस टीम द्वारा युवक के पास मौजूद बैग की गहनता से तलाशी ली गई, तो उसमें से 410 ग्राम हेरोइन (चिट्ठा) और 2 लाख 20 हजार रुपये की भारतीय करंसी बरामद हुई, जिसे ड्रग मनी माना जा रहा है। इसके साथ ही बैग से एक इलेक्ट्रॉनिक कंडा भी बरामद हुआ है,

जिसका इलेमाल नशीले पदार्थ को तोलने और उसकी छोटी-छोटी पुडियों (खुरक) बनकर बेचने के लिए किया जाता था। नशीले पदार्थ और ड्रग मनी की इतनी बड़ी खेप बरामद होने के बाद पुलिस ने आरोपी अशदीप सिंह को मौके पर ही हिरासत में ले लिया और सामान को जब्त कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया है, थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच और पुलिस रिकॉर्ड खंगालने पर यह बात सामने आई है कि आरोपी अशदीप सिंह एक शांति अपराधी है और उसके खिलाफ पहले भी विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

लालडू में नशा तस्करी पर पुलिस का वार, 1.5 किलो चरस समेत युवक गिरफ्तार

लेहली टी-प्लांट पर पुलिस ने एक्टिव सवार युवक को पकड़ा, एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बाबा

जीरकपुर/लालडू। लालडू में पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को 1 किलो 500 ग्राम चरस सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले के मोहकमपुर गांव निवासी मोहम्मद कैफ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सोमवार रात चौकी लेहली प्रभारी एसआई गुर्विंदर सिंह अपनी टीम के साथ अंबाला-चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित लेहली टी-प्लांट पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान अंबाला की ओर से एक्टिव सवार एक युवक आता दिखाई दिया। पुलिस का दावा है कि नाकाबंदी देखकर युवक घबरा गया और अपने कंधे पर टंगा काला बैग सहित किनारे खड्ड में फेंककर वापस लालडू की ओर भागने का प्रयास करने लगा। संदेह होने पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए युवक को पकड़वा समेत काबू कर लिया। इसके बाद पुलिस ने खुड्ड में फेंके गए बैग को बरामद कर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग से काले रंग का



ड्रेस पदार्थ मिला, जिसकी ड्रग डिस्कशन रिपोर्ट में जांच करने पर वह चरस निकली। मौके पर इलेक्ट्रॉनिक कटि से वजन करने पर बरामद चरस का कुल वजन 1 किलो 500 ग्राम पाया गया। पुलिस ने आरोपी से इस संबंध में लाइसेंस या परमिट मांगा, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत निर्धारित कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को उसके अधिकारों की जानकारी दी और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान कोई अन्य नशीला पदार्थ बरामद नहीं हुआ। बरामद चरस को सील कर कब्जे में ले लिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है। जांच का मुख्य केंद्र यह पता लगाना है कि इतनी बड़ी मात्रा में चरस कहाँ से लाई गई थी और इसे किस स्थान पर पहुंचाया जाना था। मामले में नशा तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

आरेडिका में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का जिला स्तरीय योग शिविर संपन्न

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका), रायबरेली में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, उत्तर रेलवे के जिला स्तरीय योग शिविर पांच दिवसीय जिला स्तरीय योग शिविर का सोमवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। 19 से 23 जून तक जिला प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित इस शिविर में 46 स्काउट्स एवं गाइड्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शिविर का उद्घाटन प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव ने योग जासकता रैली को ही झंडी दिखाकर किया था। रैली के माध्यम से योग, स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। शिविर के दौरान प्रतिदिन योग एवं ध्यान सत्र आयोजित किए गए। साथ ही योग नृत्य प्रतियोगिता, नुकुड़ नाटक, चित्रकला, खेलोग एवं निबंध लेखन, योग प्रश्नोत्तरी तथा 'खेल-



खेल में योग' जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी आभा जैन विशेष रूप से उपस्थित रहें। वहीं 22 जून को आयोजित कैम्प फायर कार्यक्रम में स्काउट्स एवं गाइड्स ने देशभक्ति, सामाजिक जागरूकता और संस्कृतिक मूल्यों पर आधारित संरांग प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया।

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में उप मुख्य वरिष्ठ इंजीनियर एन.के. वर्मा मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर नीरज श्रीवास्तव,

सुहाता खान, अनिल श्रीवास्तव और दिनेश कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। शिविर का संचालन जिला संगठन आयुक्त (गाइड) शबोना बानो के नेतृत्व में किया गया। समापन अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और अनुशासित जीवन जीने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर युवाओं में स्वास्थ्य जागरूकता, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और टीम भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धन्यवाद ज्ञापन के साथ शिविर का समापन हुआ।

वीआईपी रोड पर जल्द बनेगी पुलिस पोस्ट, एसपी गजलप्रीत कौर को ज्ञापन सौंपने पहुंचे पंजाब कांग्रेस नेता एडवोकेट वासु रंजन

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बाबा

जीरकपुर। काउंसिल ऑफ लॉयर्स के चेयरमैन पंजाब कांग्रेस नेता एडवोकेट वासु रंजन ने जीरकपुर की वीआईपी रोड पर बढ़ती आबादी और सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं को देखते हुए क्षेत्र में पुलिस पोस्ट स्थापित करने की मांग उठाई। इस संबंध में उन्होंने एसपी गजलप्रीत कौर से मुलाकात कर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

एडवोकेट वासु रंजन ने एसपी से मुलाकात के दौरान कहा कि वीआईपी रोड ट्राईसिटी के सबसे तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में शामिल है, जहां बड़ी संख्या में लोग निवास करते हैं और प्रतिदिन हजारों वाहनों का आवागमन होता है। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही रिहायशी सोसायटियों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और संस्थानों के कारण सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि



वीआईपी रोड पर पुलिस पोस्ट बनने से अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगेगा, ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर होगी, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा को मजबूती मिलेगी तथा किसी भी आपात स्थिति में पुलिस की त्वरित सहायता उपलब्ध हो सकेगी। ज्ञापन मिलने के बाद एसपी गजलप्रीत कौर ने एडवोकेट वासु रंजन को आभार प्रकट किया कि वीआईपी रोड क्षेत्र में पुलिस पोस्ट स्थापित करने की आवश्यकता को पुलिस प्रशासन गंभीरता से देख रहा है तथा जल्द ही यहां पुलिस पोस्ट के निर्माण की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। एडवोकेट वासु

आंध्र प्रदेश में परिवहन क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव, डिजिटल सेवाओं व पारदर्शिता से लोगों को मिल रही राहत: रामप्रसाद रेड्डी

अर्थ प्रकाश/बोम्मा रेड्डी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के परिवहन, युवा कल्याण एवं खेल मंत्री मंडीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी ने कहा है कि राज्य सरकार ने पिछले दो वर्षों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में व्यापक और ऐतिहासिक सुधार किए हैं। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व तथा उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के सहयोग से परिवहन विभाग ने तकनीक, पारदर्शिता और जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनका लाभ सीधे आम जनता को

मिल रहा है। सोमवार को अमरावती स्थित राज्य सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य परिवहन सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त बनाना है। इसी दिशा में ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, परमिट जारी करने, कर भुगतान और अन्य सेवाओं को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया गया है। इससे लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिली है और सेवाएं पहले की तुलना में अधिक तेज और सुविधाजनक हो गई हैं। उन्होंने बताया कि राज्यभर में



85 स्वचालित ड्राइविंग परीक्षण केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां आधुनिक तकनीक के माध्यम से ड्राइविंग टेस्ट लिए जा रहे हैं। इससे लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप से राहत मिली है और पारदर्शिता बढ़ी है। शेष केंद्रों को भी अगले तीन महीनों में शुरू कर दिया जाएगा, जिससे पूरे

राज्य में एक समान और आधुनिक सेवाएं उपलब्ध होंगी। मंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग द्वारा विकसित 'सरथी' मोबाइल एप डिजिटल गवर्नेंस का एक महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर उभरा है। इस एप के माध्यम से नागरिक ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, राज्य में एक समान और आधुनिक सेवाएं उपलब्ध होंगी।

अलर्ट भेजा जाता है और आवश्यक कार्रवाई की जाती है। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं, दिव्यांगजनों, आटो चालकों, परिवहन कर्मचारियों और यात्रियों के कल्याण के लिए भी कई योजनाएं चला रही है। राज्य सरकार का लक्ष्य लोगों को सुरक्षित, आधुनिक, तकनीक आधारित और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराना है, ताकि गतिविधियों पर वास्तविक समय में नजर रखी जाती है। किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर संबंधित अधिकारियों को तुरंत



द्वारा प्रस्तुत
Digital Gold





- कहीं भी, कभी भी सोना खरीदें!
- आभूषण के लिए रिडीम करें
- हमेशा सबसे अच्छी कीमत!
- 100% सुरक्षित भंडारण
- आसान मासिक SIP
- सिंगल क्लिक पर गिफ्ट

**उपयोग करना
सुरु कइजिए**

नवकार ज्वेलर्स
डिजिटल गोल्ड ऐप!



Download Today!

**बचत करना
सुरु करें**

स्मार्टली टूटें
सबसे अच्छी कीमत हमेशा

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें : 9876628837

पर उपलब्ध है

भारत के महत्वपूर्ण खनिज मिशन को गति मिली: 56 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की सफलतापूर्वक नीलामी

अर्थ प्रकाश संवाददाता



नीलामी दर को दर्शाता है, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा नीलामी के लिए रखे गए 88 अद्वितीय खनिज ब्लॉकों में से 56 ब्लॉक नीलाम किए गए।

सातवीं किस्त ने भारत के महत्वपूर्ण खनिज अन्वेषण परिदृश्य का महत्वपूर्ण विस्तार किया है, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा गुजरात, उत्तराखंड और तेलंगाना में पहली बार महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी की गई। इस किस्त में ग्रेफाइट, दुर्लभ पृथ्वी तत्व (आर्सेनिक), वैनेडियम, टाइटेनियम, लौकोनाइट, रॉक फॉस्फेट और संबंधित खनिज शामिल थे, जिससे देश में महत्वपूर्ण खनिज अन्वेषण का भौगोलिक दायरा

और भी विस्तृत हो गया।

नीलामी का सातवां चरण 23 मार्च, 2026 को जारी निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी) के माध्यम से शुरू किया गया, जिसमें महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों वाले 19 खनिज ब्लॉकों की पेशकश की गई। नीलामी खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 और खनिज (नीलामी) नियम, 2015 के प्रावधानों के तहत आयोजित की गई, जिनमें समय-समय पर संशोधन किए गए हैं।

महत्वपूर्ण खनिज नीलामी के साथ-साथ, मंत्रालय ने अन्वेषण

लाइसेंस (ईएल) नीलामी के दूसरे चरण को सफलतापूर्वक संपन्न किया, जिससे भारत के अन्वेषण तंत्र को और मजबूती मिली। दूसरे चरण के साथ, केंद्र सरकार द्वारा पहली बार अरुणाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा में अन्वेषण लाइसेंस खंडों का विस्तार किया गया है, जिससे महत्वपूर्ण और गहरे भंडारों में स्थित खनिजों के अन्वेषण के नए अवसर खुल गए हैं।

दूसरे चरण की सफल नीलामी के साथ, केंद्रीय सरकार द्वारा सफलतापूर्वक नीलाम किए गए अन्वेषण लाइसेंस ब्लॉकों की कुल संख्या 11 हो गई है। यह संख्या नीलामी प्रणाली की शुरुआत से अब तक 11 हो चुकी है। अन्वेषण लाइसेंस खंडों निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं की भागीदारी को सुगम बनाकर महत्वपूर्ण और गहरे भंडारों में मौजूद खनिजों के व्यवस्थित अन्वेषण को सक्षम बनाता है।

महत्वपूर्ण खनिज और अन्वेषण लाइसेंस की नीलामी की निरंतर सफलता भारत के खनिज क्षेत्र में उद्योग

के हितधारकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाती है और व्यवस्थित अन्वेषण को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और घरेलू खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा किए गए नीतिगत सुधारों के प्रभाव को उजागर करती है।

ये पहल स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, विद्युत गतिशीलता, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों, उच्च विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा अनुप्रयोगों और अर्थव्यवस्था के अन्य रणनीतिक क्षेत्रों के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और विकास में तेजी लाएंगी।

इन नीलामी चरणों का सफल समापन राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने, निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने, आयात पर निर्भरता को कम करने और देश के लिए महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज संपत्तियों को एक मजबूत श्रृंखला बनाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

सीएम रेखा गुप्ता के आदेश पर स्वास्थ्य विभाग में दवा खरीद अनियमितताओं की जांच तेज

अर्थ प्रकाश संवाददाता



नई दिल्ली, 23 जून। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के आदेश पर स्वास्थ्य विभाग की केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) के माध्यम से दवाओं, सर्जिकल सामग्री एवं चिकित्सा उपकरणों की खरीद में सामने आई कथित वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताओं के मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है।

प्राप्त शिकायतों के आधार पर तत्कालीन महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएँ डॉ. वत्सला अग्रवाल तथा उप निबंधक लेखा नीरज चोपड़ा की भूमिका की जांच की जा रही है।

इस मामले में अब तक केंद्रीय खरीद एजेंसी के तत्कालीन प्रभारी डॉ. विनोद कुमार रंगा और डॉ. वत्सला अग्रवाल को निलंबित किया जा चुका है। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा द्वारा डॉ. विनोद कुमार रंगा को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। खरीद प्रक्रिया में गंभीर

अनियमितताओं तथा सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने संबंधी आरोपों की जांच जारी है।

सीएम रेखा गुप्ता ने पूरे प्रकरण को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं तथा मामले की निर्यात समीक्षा एवं निगरानी के आदेश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो

टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। जनता की गाढ़ी कमाई के एक-एक पैसे की रक्षा सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी है और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विधिसम्मत प्रक्रिया के उपरांत दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मार्शल अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट-2026 के 7वें संस्करण का उद्घाटन

अर्थ प्रकाश संवाददाता



नई दिल्ली, 23 जून। वायु सेना के मार्शल अर्जन सिंह डीएफसी की 107वीं जयंती के उपलक्ष्य में, वायु सेना खेल नियंत्रण बोर्ड द्वारा वायु सेना स्टेज जलाहली में 23 जून से 3 जुलाई 2026 तक मार्शल ऑफ द एयर फोर्स अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट-2026 का 7वां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों भाग लेंगी।

उद्घाटन समारोह 23 जून 2026 को एयर फोर्स स्टेज जलाहली के हॉकी मैदान में आयोजित किया गया था। समारोह में मुख्य अतिथि एयर मार्शल एस. शिवकुमार, वीएसएम, एयर ऑफिसर-इन-चार्ज एडमिनियस्ट्रेशन (एओए) थे, जिन्होंने टूर्नामेंट को खुला घोषित किया।

उद्घाटन मैच भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना, दक्षिणी कमान, बंगलुरु की टीमों के बीच खेला गया। भारतीय वायु सेना ने यह मैच 2-0 से जीत लिया। अग्निवीर विनायक संतोष हाडे को मैच ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि ने मैच ऑफ द मैच को 25,000 रुपये का चेक प्रदान किया। टूर्नामेंट के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि हमें अर्जन

सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट के मार्शल के साथ वापस आकर बेहद खुशी हो रही है, जो देश का सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। यह टूर्नामेंट देश की सर्वश्रेष्ठ हॉकी टीमों को एक मंच प्रदान करेगा। भारतीय वायु सेना टूर्नामेंट के सुचारू संचालन में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

इस हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन वायुसेना के दिग्गज को ब्रह्मजालि देने का एक उपयुक्त तरीका है और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान के लिए कृतज्ञता व्यक्त करने का एक सराहनीय तरीका है।

भाजपा नेताओं ने लखनऊ अरिनाकांड को बताया 'राजदी', कल-सरकार ने तुर्क उठाए प्रजावी कदम

नई दिल्ली (अप्रस)। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री नरेंद्र कश्यप और मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने लखनऊ अरिनाकांड, टीएमसी नेतृत्व विवाद और महाराष्ट्र में 'ऑपरेशन टाइगर' से जुड़े राजनीतिक घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया दी। लखनऊ में आग लगने की घटना पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, 'लखनऊ की एक इमारत में जो हुआ, वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह बहुत दुखद है। बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई है और कई लोग घायल भी हुए हैं। मुझे इस बात का संतोष है कि सीएम योगी खुद घटनास्थल पर पहुंचे और सरकार ने बहुत प्रभावी तरीके से इस मामले में कदम उठाया। इस हादसे में जिम्मेदार और लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए।' महाराष्ट्र में 'ऑपरेशन टाइगर' पर भाजपा नेता ने कहा, 'अगर आप (शिवसेना यूबीटी) अपने ही लोगों को बिकाऊ कहेंगे, तो चीजें कैसे स्थिर रहेंगी?

सीयूईटी-यूजी परिणाम घोषित, भाजपा विधायक कैलाश गहलोत की बेटी बर्नी ऑल इंडिया टॉपर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

नई दिल्ली, 23 जून। नेशनल टैलेंट एजेंसी (एनटीए) ने मंत्रालय को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर 'कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) अंडरग्रैजुएट (यूजी) 2026' के नतीजे घोषित कर दिए। एनटीए ने इस वर्ष सीयूईटी-यूजी का रिजल्ट पिछले वर्ष की तुलना में 12 दिन पहले और पंजीयन संख्या होने के मात्र 16 दिनों के अंदर जारी कर दिए हैं। पिछले वर्ष सीयूईटी यूजी परिणाम 4 जुलाई को जारी किए गए थे।

इस वर्ष सीयूईटी यूजी की परीक्षा में शामिल होने के लिए 15.68 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने सफलतापूर्वक रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरा की थी, जिनमें से 11.64 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने एग्जाम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इन्हीं उम्मीदवारों के परिणाम एनटीए के अब

घोषित कर दिए हैं। सीयूईटी यूजी के परिणाम के अनुसार, इस वर्ष सिर्फ एक उम्मीदवार ने चार विषयों में 100 परसेंटिलेज हासिल किया है। तीन विषयों में 100 परसेंटिलेज हासिल करने वाले उम्मीदवारों की संख्या 22 है। दो विषयों में 180 और एक विषय में 3,214 अभ्यर्थियों ने 100 परसेंटिलेज प्राप्त किए हैं। एनटीए की ओर से जारी नतीजों के मुताबिक, इस वर्ष सीयूईटी यूजी की परीक्षा में भाजपा विधायक कैलाश गहलोत की बेटी वैजना गहलोत ऑल इंडिया टॉपर बर्नी हैं। उन्होंने दिसंबर में पहला स्थान हासिल करके कीर्तिमान रखा है। वैजना की परसेंटिलेज स्कोर की बात करें तो उन्होंने अंकों में 99.99, अर्थशास्त्र/व्यावसायिक अर्थशास्त्र में 100, ललित कला/दृश्य कला/व्यावसायिक कला में 99.91, रजनीति विज्ञान में 100 और मनोविज्ञान में 100 परसेंटिलेज हासिल किए हैं।

MIKKY

BRASS BAND

ROYAL BAND FOR ROYAL MARRIAGE

FANCY LIGHT, IMPORTED
FIRE WORKS, PUNJABI
DHOL, BAGPIPER BAND,
PALKI, BAGGI, RATH

MIKKY PALACE

SHAZADPUR, DISTT. AMBALA

SCF-23, 1st FLOOR, SECTOR -18C, CHANDIGARH
(M) 9814004938, 7986365312



Steel Industries

AN ISO 9001 : CERTIFIED COMPANY

1983

Specialists in : DISPLAY RACKS/TROLLIES

Mfrs. of : Fancy Display Racks, Restaurants Furniture & Shopping Trolley, Racks, Trolleys, Basket & Fabrication of MS/SS/Aluminum Also Undertaken Govt. & General Order Suppliers



Plot No. 130, INDUSTRIAL AREA, PHASE-2, CHANDIGARH
Contact : 9915588039, 0172-3189169
www.rssteelindustries.com Email : rs.steel148@hotmail.com

ONLY TO BRING OUT, THE LARGEST EVER RANGE OF DECORATIVE FANS



SCO 26, Sector-26, MM, Ph. :4630426, 9814016237, Electric City : 426-A, Indl. Area, Phase-II, Chandigarh Ph. :4640426, 9814016237 Email : amritelectricals@gmail.com, www.amritelectricals.com